

राजस्थानी साहित्यकार-परिचय-कोश

[राजस्थानी भाषा, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्रों में काम करणियां
साहित्यकारों और उनकी रचनाओं कावत जानकारी]



भाग दो



संग्राहक और संपादक
रावल सारस्वत



प्रकाशक
राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी)

પ્રકાશક :

રાજસ્થાની ભાષા સાહિત્ય સંગ્રહ (અકાદમી)
બીકાનેર-૩૩૪૦૦૧

❶

પત્રો સંસ્કરણ :

વરસ ૧૯૮૨-૮૩

❷

મોલ : પંદ્રે રૂપિયા

દો : ૧૫)

❸

મુદ્રક :—

હિન્દુસ્તાન પ્રિટર્સ

મુબીલપુરા, બીકાનેર-૩૩૪૦૦૧

प्रकाशकीय

राजस्थानी साहित्यकार परिचय कोस री पै'लो भाग सन् १९७४ में छप्यो। इण पै'ल भाग री राजस्थानी साहित्यकारां घणी सराहना करी पण सामे ई राजस्थानी आचलिक समारोहां, चर्चावां, परिचर्चावा मे आ बात भी सामे भाई के पै'ल भाग में घणकरा राजस्थानी साहित्यकारां रा परिचय छूटग्या घर सामे ई कई नूवा राजस्थानी साहित्यकार भी सामे आया। इण दोन्यू कम्पा री पुरती खातर सगम कार्य समिति ओ निरणै कियो के राजस्थानी साहित्यकार परिचै कोस री दूजो भाग तैयार करायो जावै। ओ काम भी पै'ल भाग रा सपादक श्री रावत सारस्वत तै सूं प्यो। श्री रावत सारस्वत लगभग तीन बरसां री मीनत, निष्ठा घर सूझबूझ सूं इण कोस तै तयार करयो। राजस्थानी भासा साहित्य संगम री कार्य समिति री प्रकटबर १९८१ री बैठक इण कोस री महत्ता तै देखता थका छापण री निर्णय दियो।

इण कोस मै मुद्रणालय मे देणै सूं पै'ला ओ भी प्रयास करयो गयो के जिके साहित्यकारा री परिचै अजे ताई नही आयो हें, एण री परिचै मंगायो जावै। इण खानर सगम कार्यालय सूं एक विम्वस्ति भी निकाली गई। कई साहित्यकारा रा परिचै कार्यालय मे आया घर बाद मे कोम छापण सारू दियो गयो।

घणै हरल री बात है के राजस्थानी भासा घर साहित्य री हर विधा मे लिखण आळा एक सो इक्यानवै साहित्यकारां री परिचै इण कोस मे छप्यो है घर एक सो सत्ताइस साहित्यकारा री सूची भी परिशिष्ट रूप मे छपी है।

फेरू भी जिके साहित्यकारां री परिचै इण कोस मे नी छप्यो है वे संगम कार्यालय मे आपरी परिचै भेजै जिए सूं तीजो भाग निकाळन री योजना बण सकै।

श्री० रामकृष्ण व्यास 'महेन्द्र'

उपसचिव

राजस्थानी भासा साहित्य संगम
(अक्काइनी) बीकानेर

“ इण' कोस' बाबत ”

राजस्थानी भाषा साहित्य संगम, बीकानेर की स्थापना के बाद श्री जहूरी समझ्यो गयो के राजस्थानी साहित्यकारों की परिचय-कोस तैयार करवा'र छाप्यो जावे । संगम इयें कोस की तैयारी की काम श्री राबत जी सारस्वत नै सूप्यो । पैनी भाग सन् १९७४ मे छप्यो । पण फेरु भी आ बात ध्यान मे आयी के घणा लोगों का नाम छूटग्या । इयें वास्तं दूजो भाग तयार करण' की काम भी श्री सारस्वत जी नै ही सूप्यो । उणों नै इयें दूजें भाग नै तयार करण में जकी कठिनाया आयी, बं आपरें सम्पादकीय मे लिखी है : १९१ राजस्थानी साहित्य-कारों के परिचय के अलावा दूजें भाग मे १२७ सू' ऊपर लोगों का परिशिष्ट में खाली नाम दिया है ।

परिचय-कोस की दूजो भाग आपरें सामने रखतां मनै घणी खुशी है । श्री जिवां भी श्री सारस्वत जी तयार करयो, बिया को बिया आपरें नजर है । म्हारी दृष्टि मे ओजूं लागी घणा नुवां साहित्यकार बाकी हैं जका की परिचय राजस्थानी मे आयो चाहै । श्री राबत जी तो आयन्दा इसो काम नी करण की फैसलो कर लियो है इयें वास्तं संगम नै तीजो भाग तयार करण की काम कोइ दूजें विद्वान नै सूप'र नयो कोस तयार करवाणी चाहै ।

सारलें वरम राजस्थानी साहित्यिक समारोह मे जाणै की मौकी मिलयो । “जागती जोत” की सम्पादन की काम भी म्हारे जिम्मे आयो । मनै आ देल'र बड़ी खुशी होई के राजस्थानी मे नया हस्ताक्षर की संख्या बड़ी तेजी सू' बढ़ रयी है अर राजस्थानी की साहित्य समूह बणाणें के साथे साथे धं लेखक भाषा नै नया विषय, नयी व्यञ्जना, नया तेवर अर नया शिल्प दे रह्या है । मैं राजस्थानी के ऊजळें भविष्य के बारे मे पूरो आश्वस्त हो'र आ आस राखूं के राजस्थानी साहित्यकारों के परिचय-कोस की तीजो भाग जल्दी ही आपरें सामने नये रूप में आयी ।

चन्द्रदान चारण

समापति

राजस्थानी भाषा साहित्य संगम

बीकानेर



इए कोस रो पैलो भाग सन् १९७४ में छप्यो हो । उए मे २३२ साहित्यकारां रा परिचय छप्यो हा । उए कोस में भी कोसीस करतां यकां कई मोटा साहित्यकारां री जाणकारी नो दी जा सकी । तारखा चार-छः बरसां में राजस्थानी में लिखणियां लोगां री खास बढोतरी हुई । उणरो एक कारण तो ओ रैयो के शिक्षा विभाग रा मंकळनां में शिक्षकां मे सूं घणां इसा नांव सामे थाया जिका बावत जाणकारी री कोई दूजो सरल उपाय कोनी हो । दूजी बात या भी के जागती जेत घर दूजी पत्रिकावां में नया लिखारां नै छपण रा घणा मौका मिल्या । सम्मेलनां-समारोहां में भी नया लिखारां सूं परिचय हुवता रैया । यां सब भेळा कारणो सूं राजस्थानी में लिखणियां री तादाद खासा बढगी घर यो जरूरी समझ्यो गयो के कोस रो एक भाग और निकाल्यो जावै जिए सूं नया लोगां बावत जाणकारी एक ठोड मिलणें में मुविधा रैवै ।

राजस्थानी भाषा-साहित्य सगम (अकादमी) यो भार मनें सूंप्यो, एक कारण यो भी हो सकै के पहिले भाग रो काम भी म्हारो करघोड़ी हो । दीखण मे तो यो काम घणो मामूली दीखै पए और कामां भेळै इए नै पूरो करण मे भी मनें तीन बरस नेह्रा लाग्यो । आप रै सामे म्हारे काम री दिक्कतां राखूं तो ठीक रैमी ।

म्हारें कनें सरूपोत मे सूची बनावण रो काम घणो मोटो हो । या सूची पत्र-पत्रिकावां घर मंकळनां नै बखत-बखत पर देखैर बलाती तो गयो हो, एण दूजा कितां नै भी बार-बार लिखैर नया नाव सुझावण छारुं भरज करणी पड़ी ।

इए वास्तै ५०० पोस्टकार्डें छपवाया जिका हरेक ठिकाने पर भेज्या । यां पोस्टकार्डां मे चाहीजी जाणकारी रो सुलासो छाप्यो हो । आपनै जाणैर अर्थां होमी के घणसरा सोग जाणकारी भेजण में घणो घाटम करघो घर वानै

तीन-चार बार ताई याद दिलावण रो काम करणो पड़्यो । यूँ महसूस हुयो जार्ण म्हारें कोई बेटी रो ब्याव है घर उण सारु इत्ती सारी मिन्नतां करनी पड रो है । निजू कागद देया पछे भी कई लोग घाळस तोड़णो ठीक कोनी समझ्यो मो को ही समझ्यो नी । कई भायला तो और कारणां सून भी सहयोग देणो ठीक कोनी समझ्यो । वा मे सून कई इसा भी हा जिका कोस-सप्रे रें काम नें घणो हलको घर उण मे वां रें मोटे नाव नें छावणो वारें सारु अपमानजनक भी लखायो । खर ।

इसी परिस्थितियां में इण सर्ग मे १६१ नेडा नया नांव दिया है । जिका लोग कोई कारण सून जबाब नी दे पाया वारो सूची म्हारी जाणकारी मुजब परिणित रूप में दे दी है जिए सून लोक वा सून लिखा-पढ़ी करे जाणकारी मगा सकें ।

याकें घलावा भी सारन साल-दोमान-रें घरसं मे २५-५० नांव और भी सामे आया होमी । इना नाव भी रंगया होसी जिका मोटा लिखारा नी है । वारी जाणकारी दुरभाग सून मने नी हो पाई ।

इण सर्ग मे मने जिकी भेचल हुई अर 'जागती जोत अर 'मधुमती' रा पाना मे बिधापन रो जगा रो मोल मिला'र जित्ती कीमत बैठी, उण नें देखता घागै सारु इसें काम मे हाथ नी बेगण रो म्हारा निजू फंसलो करणो पड़्यो है ।

एक बात और । एक सवाल उठे कें साहित्यकार कुण अर किए रो जाणकारी दी जावै, किए री नी ? इण बाबत म्हारी धारणा बिलकुल साफ है । साहित्यकार री परिभाषा करणो तो सायद कोई रें वृत्त री बात कोनी अर नी संभव ही लागै, पण कोस मे जाणकारी में वां सब लोगा री देवण री कोसीस करी हैं जिका सबधित बिसयां मे कुछ न कुछ लिख्यो है अर राजस्थानी वास्तै ज्यां रा मना मे दरद है । इण ढग सून यो कोस एक ठिकाणां री सूची है जिनमें थोड़ी बहोत दुर्जा जाणकारी भी भेळी है ।

घाज रें जमाने मे हर क्षेत्र मे काम करणिया लोगा नें उण क्षेत्र सून जुड़ोडा लोगा बाबत पूरी जाणकारी हुवै तो काम में आसानी हुवै । इण ख्याल सून राजस्थानी साहित्यकारां रा दोनू कोस फायदेमद रहसी तो म्हारी मैनत सफल हुसी ।

राजस्थानी भाषा साहित्य मंगम (प्रकादमी) राजस्थानी साहित्यकारा री प्रतिनिधि संस्था है । या प्रकादमी रो रूप लेसी जद भी प्रतिनिधित्व और बेसी होगी । इण वास्तै मंगम रा कर्ता-घर्ता कोमां री जाणकारी नें घागै भी भेळी करता जावै तो काम भावै ।

भाषना

ग० २०३६ वि०

राजन सारस्वत

सपादक

(साहित्यकारां रै परिचै री ओलखाण सारू संकेत सूची)

१. नांव
२. शिक्षा
३. जन्म तिथि
४. जनम स्थान
५. मौजूदा काम घन्धो
६. छप्पोही पोथियां
७. पत्र-पत्रिकावा मे छप्पोही साहित्यिक रचनायां
८. ग्रंथ छपी पोथ्या
९. दूजी सूचनावा
१०. गदीब री ठिकाणो
११. मौजूदा ठिकाणो

[१]

१. अन्जना चौधरी
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. ३१-१०-१९५७ ई.
४. जोधपुर (राजस्थान)
५. पढाई
६. —
७. इतवारी पत्रिका, जागती ज्योत, हवा महल प्राद मे छपी
८. —
९. बंगाली परिवार में जलमर्ष पर भी राजस्थानी संस्कृति सू' पणो लगाव
राखे ।
१०. डी १०, गणेश मार्ग, बापूनगर, जयपुर—३०२००४
११. ऊपर मुजब

[२]

१. अम्बिकादत्त
२. बी ए.
३. २०-६-१९५६ ई.
४. अन्ता (कोटा—राज०)
५. शिक्षा विभाग की सेवा
६. —
७. मधुमति, जागती-ज्योत, कचनार, इतवारी पत्रिका, मुकन्दरा प्राद पत्रा
में छपी ।
८. —
९. प्रबंध संपादक 'कचनार' पत्रिका, प्रचार मंत्री, अणुहद लोक मंच, प्रता
१०. प्रता (कोटा—राज०)
११. ऊपर मुजब

[३]

१. अनोणदान वारहूठ
२. चैत वदी २, सं० १६७८ वि. (१६२१ ई.)
३. परंपरागत काव्य-शिक्षा
४. पो० भिणकली (शिव—बाइमेर—राज०)
५. सेती
६. आईनाथ की कथा (काव्य)
महाराजा उम्मेद उदारता रूपक (काव्य)
७. —
८. हरिरस रो रस, भक्ति-गीत धारा, वीर वचनावली, दोहासंग्रह आदि
९. —
१०. पो. भिणकली (शिव—बाइमेर)
११. ऊपर मुद्रक

[४]

१. भ्रजुन 'भरविन्द'
२. धौनसं
३. २२-६-१६४३ ई.
४. टोक
५. अध्यापन
६. हिन्दी में उपन्यास और बालपोषी छपी
७. हरावस, जागती जोत आदि पत्रों में और शिक्षा विभाग की पोथियाँ—
बारम्बड़ी, चैतरा चितराम, लखान में छपी ।
८. 'आमर रो उबाळ' (कवितावाँ)
९. —
१०. काली पलटन रोड, टोंक (राजस्थान)
११. ऊपर मुद्रक

[५]

१. अर्जुनसिंह शेखावत
२. एम० ए० (हिन्दी); बी० एड०; साहित्यरत्न;
प्रायुर्वेद रत्न; वैद्याचार्य; भार० एम० जी०
- ३ ५—२—१९३४ ई०
- ४ भादरलाऊ (सोमेश्वर पाली बाया मारवाड़ जंक्शन)
- ५ अध्यापन
- ६ बयार एक हलकीसी १९५७
७. लोक साहित्य भर संस्कृति पर लेख पत्र-पत्रिकावा में छप्या भर आवाश-
वाणी सूँ प्रसारित हुया
८ फुटकर रचनावाँ लेख, कहाणी
९. गिरासिया संस्कृति पर सोघ करै
१०. पी० खीमेल (बायारानी-पाली राज०)
- ११ राजकीय उ० प्रा० विद्यालय, घणी (खीमेल पाली राज०)

[६]

१. अशोक कुमार दवे
२. एम० ए०, एल. एल. बी०
- ३ ३१-१०-१९४९ ई०
४. बम्बई
५. अध्यापन
६. —
७. तरुण राजस्थान, जोधपुर; अग्रदूत, जयपुर, भुगुणुणियो, बीकानेर;
अपरंच, जोधपुर, जागती जोत, बीकानेर (कवितावाँ, लेख)
८. —
९. राजस्थानी युवा साहित्यकार परिषद, जोधपुर भर 'बर्षा' जोधपुर सूँ
गंवद्ध. हिन्दी में भी कहाणी, कविता, लेख लिखै
१०. अशोक कुमार दवे, प्रथम बी रोड, भरदारपुरा, जोधपुर-३४२००३
११. ऊपर मुजब

[७]

१. ग्रानंदप्रिय
२. बी. कॉम.
३. १५-८-१९४० ई.
४. जोधपुर
५. राज्य सेवा
६. —
७. जागती जोत, अपरंच, सलकार, अभयदूत आदि में छपी
८. 'आखर आपरा' (कवितावां)
९. 'प्रिवाणी,' जोधपुर, 'कलानि,' जोधपुर और 'विम्ब', जोधपुर में छपे हैं।
१०. पीपली महादेव की पोली में चित्रा सिनेमा करने जोधपुर—३४२००७
११. ऊपर मुजब

[८]

१. आईदानसिंह भाटी
२. एम ए. (हिन्दी)
३. १०-१२ १९५२ ई.
४. नौब (जैसलमेर—राजस्थान)
५. अध्ययन (सोय छात्र)
६. —
७. हेला, राजस्थानी, जागती जोत, अपरंच, राष्ट्रपताका आदि 'पत्रिकावां' में छपी
८. 'हंमतोटा होठा रो सोच' (कविता संग्रह) 'भूज जमारी इतरो बसू कर' (यत्रगां)
९. 'चर्चा' नाव की साहित्यिक मस्या में संबद्ध
१०. नाव पो नौब (जैसलमेर—राजस्थान)
११. प्रधान डाक घर, जोधपुर (राजस्थान)

[६]

१. इन्दर आडवा (इन्द्रसिंह सिसोदिया)
२. एम० ए० (अग्नेजी); बी० एड०
३. २६-१२-१९४२ ई०
४. जयपुर
५. अध्यापन
६. —
७. संपन्नता, राजस्थान विकास, जलमशोम, साहेसर नावरा पत्रों पर
शिक्षा विभागरी पोष्यो क्षेत्रों चित्तराम, सत्ताए-में कहाण्यां,
कविताकी छपी
८. —
९. प्रखिल भारतीय समूह गान प्रतियोगिता में पैलो इनाम
१०. बी० आडवा (बाबा मारवाड़ जंक्शन) जिसा पाली राज० ३०६०२१
११. ऊपर मुद्रव

[१०]

१. डॉ० इन्द्र कुमार शर्मा
२. एम० ए०, डी लिट्
३. १-१-१९३२ ई०
४. शामली (उ० प्र०)
५. अग्नेजी प्राध्यापक, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
६. "शिपिट सैंड्डुग्स" नांव री अग्नेजी कविता पोषी १९७६-७७/- "कन्टेन्-
परेरी राजस्थानी पोषटी नांव सून राजस्थानी कविताकी री अनुवाद
पोषी-राज० भाषा साहित्य संगम १९७६. ४०/-
७. अग्नेजी पत्रा इण्डियन मिटरेबर, पोषट घर जागती जीत में छपी ।
८. अग्नेजी, हिन्दी रा काव्य संकलन
९. उपाध्यक्ष राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर
भू पू. सदस्य राजस्थान साहित्य अकादमी, संवर्धनिका समिति, उदयपुर
फैड, इण्डियन पी. ई. एन. अन्तराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता में पैलो
स्थान। स्वर्णपदक घर प्रमाण पत्र मिल्यो । बर्स्ट पोषट्स मीट संन
पासिस को १९८१ में गया ।
१०. सी./१४१, दयानन्द मार्ग, तिलक नगर ३०२ ००४
११. ऊपर मुद्रव

[११]

१. इन्द्राज ढाका
२. एम. ए. (राजनीति शास्त्र); बी एड.
३. ५-७-१९४४ ई.
४. फेफाना (मोहर—गंगानगर—राजस्थान)
५. अध्यापन
६. —
७. शिक्षा विभागीय संकल्पनां अर पत्रों में छपी
८. फुदेकर रचनायां
९. —
१०. फेफाला (मोहर—गंगानगर—राजस्थान)
११. राज. उ. मा. विद्यालय, फेफाना (गंगानगर—राज०)

[१२]

१. उदय नागोरी
२. बी ए, जैन सिद्धांत प्रभाकर
३. १४-३-१९४० ई.
४. बड़ी सादडी (चित्तौड़गढ़—राज०)
५. राजस्थान नहर परियोजना, लेखा विभाग, बीकानेर री सेवा
६. —
७. रंगयोग, लोककला, रंगायन, जागती-जोत, सेनानी अर पत्रों में छपी, कई अभिनन्दन ग्रन्थों में भी छपी
८. —
९. कई प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत
१०. द्वारा श्री ह्ममान जी नामोरी. ब्रह्मपुरा, पो. बड़ीसादडी (राज०)
११. मेठिया जैन ग्रंथालय भारोठी मोहल्सा, बीकानेर

[१३]

१. ए. वी., 'कमल' (अब्दुल वहीद 'कमल')
२. एम. ए. बी. एड.
३. १७-४-१९३६ ई.
४. गाव नारसरा (सरदारशाहर-जुरू-राज,)
५. अध्यापन
६. —
७. कहाण्यां भर कवितावां अनेक पत्रिकावा मे छपी
८. माटी रा मोती' कहाण्यां
'मिनस मानसो' (कवितावां)
'ममूजो' (नाटक)
९. आकाशवाणी सू रचनावां रो प्रसारण
१०. नेहरू चौक, शीतळा गेट बीकानेर (राज,)
११. राज. साहुळ उ. मा. विद्यालय, बीकानेर

[१४]

१. ओमदत्त जोशी
२. एम. ए. बी. एड.
३. १३, १२, १९३८ ई.
४. ममूदा (मजमेर राज,)
५. अध्यापन
६. हिन्दी मे 'सरस बाल कथाए' नांव री पोथी
७. मिता विभाग री पोथ्यां-चेतेरा चितराम भर सत्ताण-में तथा गिविरा
भर दूजा पत्रा मे छपी
८. 'पाणी पीजे छांण' (उपन्यास)
९. —
१०. साहित्य सदन, ममूदा (मजमेर राज,)
११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय बाणमूरी (मजमेर राज,)

[१५]

१. ओमप्रकाश थानवी
२. एम, ए,
३. १-८-१९५७ ई.
४. फतेदी (जोधपुर)
५. मध्यम
६. —
७. अनेक छापा में छपी
८. कवितावाँ रो संग्रं अर नाटक
९. —
१०. लफांकी (जोधपुर)
११. श्रुतिमिषल बोर्ड रं तारी, बीकानेर-३३४००१

[१६]

१. ओमप्रकाश पुरोहित 'कागद'
२. बी. ए.
३. ५-७-१९५७ ई
४. केसरीमिह पुर (श्री गंगानगर-राज,)
५. पत्रकारिता
६. —
७. हिन्दी अर राजस्थानी कवितावाँ अनेक पत्र पत्रिकावाँ में छरी
८. 'कागद' (काव्य)
९. गठगंगादक 'शाश्वत सत्य' साप्ताहिक, श्री गंगानगर
१०. तेजप्रबल, नेमरीसिंहपुर (श्री गंगानगर) ३३५२०७
११. ऊपर मूत्रव

१. ओम प्रकाश गगं मधुप
२. टी. डी. सी. (प्रथम वर्ष) वाणिज्य
३. २३.६ १६३६ ई.
४. बाडमेर (राज.)
५. राजस्व विभाग, लेखा शाखा की सेवा
६. —
७. राजस्थान विकास, जागती जोत, मरु भारती, राष्ट्र दूत, त्रिदम्बरा, चेतन प्रहरी आदि अनेक पत्रों और संकलना में कविता, कहानी, लेख, नाटक छपता रहे
८. उणिपारो (कवितावां), ओकूँरी ओलियां (कवितावां) रँ अलावा हिन्दी में प्रबंध काव्य, नाटक, कहानी संग्रं
९. अध्यक्ष, बाडमेर साहित्य संस्थान, बाडमेर संकेत रा संपादक आकासवाणी सूँ वार्तावां प्रसारित
१०. ८८ अप्रवाल भवन मार्ग, बाडमेर ३४४००१
११. आयुर्वेद अस्पताल रँ ऊपर पचपरातगर-३४४००१ (बाडमेर)

१. ओम सोनी 'मधुर'
२. द्वितीय वर्ष वाणिज्य
३. १-७-१९६० ई.
४. अंता (कोटा-राज.)
५. पटार्दि
६. —
७. कचनार, तवर, जागती जोत आदि में छपी
८. बहलो (गीत) त्रिदम्बराणी (गीत)
९. —
१०. प्रेम चंदनी सोनी अंता (कोटा राज.) ३२५२०२
११. ऊपर मुद्रक

[१६]

१. कन्हैयालाल दूगड़ 'लाल कन्हैया'
२. माधारण
३. माघ सुदी १४, सं. १९७८ वि. (१९२१ ई.)
४. सरदारगढ़
५. गोपी विद्यामंदिर भर दूजी सार्वजनिक संस्थावां री संचालन
६. पूंछ मूँछ री मुलाकात, जैन धादमं १९६७ निःशुल्क
- गीतां री गुंजार ज. हि. प्रन्यास १९६८ ५/—
- योगनहरी " १९६९ १/—
- विचार बाबनी " १९६९ १/—
- धादशं बासक गो. वि. मं. — प्रचारार्थ
- बजरगवली करमली ग. हि. प्रन्यास १९८० ३/४०
७. —
८. राम रिक्कावणी, गाम व गोपाल, सुरंगो सामरियो, बमभोळीं री बरात, भगवत कपू'
९. सरदारगढ़ मे शिक्षा भर चरित्र-निर्माण री ज्योत जमावणिया धुन रा घणो घर दानवीर
१०. सुमेरु सदन, पो. सरदारगढ़ (बूख—राज.)
११. ऊदर मुजब

[२०]

१. कल्याण गीतम
२. एम. ए., बी. एड., माहित्य रत्न
३. २-६-१९३९ ई
४. गोव मन्दावा (दीसा—जयपुर—राजस्थान)
५. प्रयागभाषक, राजकीय उ. प्रा. विद्यालय, मारुंडा (नोसा—बीकानेर)
६. निव बोधव री भेष—संद काव्य-आनंद गीतम-१९७८ ८/—
७. कपामोक, राजस्थानी. जागनी जोत धाद भे कबितावां, कपामां छपी । शिक्षा विभाग रा मंजुर्ना मे भी छपी ।
८. कुंतो (मण्ड काव्य), कहाणी-मये
९. आकाशवाणी मूं रचनावां प्रसारित करे
१०. द्विगुण माहित्य सदन, ३२/४६८, चीनीपो कूपो, बीकानेर (राज.)
११. राजकीय उ. प्रा. विद्यालय, मारुंडा (नोसा—बीकानेर)

[२१]

१. किशनलाल पारोक
२. एम. ए. (हिन्दी); बी. एड.
३. १५-३-१९३२ ई.
४. सरदारशहर (चुरू—राज.)
५. अध्यापन
६. —
७. ओल्लमो, युगचरण, जीवन छाद छापां मे रचनावां छपी
८. 'कूँपल' कविता संग्रह
९. —
१०. मीणां रै कूँ रै पास, पो. सरदारशहर (चुरू—राज.)
११. राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सरदारशहर (चुरू)

[२२]

१. कृष्णकुमार कौशिक
२. बी. ए., बी. एड., एच. डब्ल्यू. डी (स्काउट)
३. २४-६-१९४० ई.
४. सूरतगढ़ (श्री गंगानगर—राज.)
५. अध्यापन
६. हिन्दी में किसोर कथावां घर व्याकरण री पोथी छापी
७. शिक्षा विभागीय सकलन 'चेतैरा चितराम' घर पत्रा मे रचनावां छपी
८. "कौशिक की कहानियां" भाग ।
९. 'भारत सावित्री' में तृतीय पुरस्कार प्राप्त
१०. कौशिक कुटीर, फेफाणा (नोहर—गंगानगर—राज०) ३३५५२३
११. राज० माध्यमिक विद्यालय, जसाना (नोहर—गंगानगर—राज०)

१. कैनाश 'मनहर'
२. एम. ए. (समाज शास्त्र, राजनीति शास्त्र)
३. २-४-१९५४ ई०
४. मनोहरपुर (जयपुर, राज०)
५. अध्यापन
६. —'सपनों के आस-पास' (गजस) हिन्दी पोथी
७. राजस्थानी, राजस्थान पत्रिका, पत्रा में घर शिक्षा विभागीय पोथियाँ—
'कोरणी कलमरी' घर 'भ्रंतस रा आखर'—में छपी
८. —देहातिका संस्थान,
९. बीकानेर की पत्रिका 'छकियारी' सूँ आधुनिक कहानी पर एक हजार
रुपये पुरस्कार मिले।
१०. मर्चाजक 'आस पास' नाम की साहित्यिक संस्था।
स्वामी मोहला, मनोहरपुर, (जयपुर)
११. रा. उच्च प्राथमिक विद्यालय,
किशनगढ़ ! जस गाहपुरा जयपुर)

१. फोमल कोठारी
२. एम. ए. (हिन्दी), नेहरू फेलो
३. ४-३-१९२९ ई०
४. कथापन (चित्तोदगढ़-राज०)
५. निदेशक, कथापन संस्थान, बोरूँदा (बाया पीणाड़ जोधपुर)
६. साहित्य, संगीत और कला—कथापन संस्थान बोरूँदा
मोनोग्राम ओन संवा ४-००
१०-००
७. लोक संस्कृति, मरवाणि याद पत्रा में छपी
८. "राजस्थान के लोक वाद्य"
९. लोक संस्कृति के पारसी के रूप में देव विदेस घूमघोडा।
माहित्य भकादमी, दिल्ली के राजस्थानी परामर्श मंडल रा सदस्य
१०. बाबटा, बीर रोड, जोधपुर
११. कथापन संस्थान, बोरूँदा-३४२६०४

[२५]

१. कंवळ उणियार
२. बी. ए.
३. १८-३-१९५५ ई.
४. जोधपुर
५. पढाई
६. —
७. हराबळ, हेलो, मरुवाणी भाद में छपी
८. 'हित्यारो म्है हूं' अर "बीरो रहस", उपन्यास
९. हिन्दी में भी लिखै
१०. साधना साहित्य सदन, ४४ जसवंत सराय जोधपुर (राज०)
११. ऊपर मुजब

[२६]

१. कौशल किशोर भाटी
२. एम. ए. (हिन्दी, अर्थ शास्त्र), एल. एल. बी.
३. ६-१०-१९४८ ई.
४. जयपुर
५. विद्यालय-नोवा
६. —
७. कादम्बिनी भाद वत्रां मे
८. राजस्थानी व्याकरण
९. भाषाशास्त्री मूँ रचनावां से प्रसारण, स्मारिकावां से मंषादन
१०. ५६२, भाटी भवन, सादुलसिंह की नाळ, चोकड़ी सरहद, जयपुर-३०२००५
११. ऊपर मुजब

[२७]

१. खिज्रो सुधांशु
२. एम. ए. (दर्शन)
३. ६-१०-१९५१ ई.
४. बीकानेर
५. राजकीय सेवा
६. —
७. जागती जोत मे कवितावां
८. —
९. हिन्दी मे भी लिखें
१०. डा. घनपतराम मार्ग, बीकानेर ३३४००१
११. ऊपर मुद्रण

] २८]

१. खुशालनाथ स्वामी, 'धोर'
२. उच्च माध्यमिक कक्षा
३. ७-८-१९४० ई.
४. बाहमेर (राज०)
५. लिखाकार, जिलाधीन कार्यालय, बाहमेर
६. हास्यावतार, अफसर, मैं बाहमेर हूँ, सशित-अलक्षित, प्रथम पराग आद राजस्थानी-हिन्दी पोथ्या छपी
७. धाकासवाणी मूँ भर पत्र-पत्रिकावा मे बड़ी तादाद मे कवितावां. लेख, कहाण्या भर बातें छपी भर प्रसारित हुई ।
८. प्राप्ति पोथी पढो (प्रौढा सारु गद्य) भर छ' दूजी हिन्दी पोथ्या
९. महामंत्री, बाहमेर साहित्य संस्थान, बाहमेर. उदयपुर री संस्था 'मृजन मंच, बहो' मूँ 'लोकमान' री उपाधि, अंतर प्रांतीय कुमार साहित्य परि-पद मूँ गवट्ट, मपादन, 'गवेत' ।
१०. बन्पाणपुरा मार्ग, गस्या ४, बाहमेर-३४४००१
११. ऊपर मुद्रण

१. गंगासिंह चौहान
२. एम. बी. बी. एस., एम. डी.
३. २०-३-१९३८ ई.
४. जोधपुर
५. सरकारी डाक्टर
६. —
७. संकल्पनां मे कवितावा भर समीक्षा छपी
८. कवितावा रो संग्र
९. सामाजिक सेवा मे धरुणो काम करयो । चिकित्सा संबंधी सोध निबध सारु पुरस्कृत
१०. पीवळी चौक, नागीरी मोहला, जोधपुर (राज०)
११. कनिष्ठ विशेषज्ञ (मेडिसिन) राजकीय चिकित्सालय, जालोर

१. गणेशमल बाफणा
२. हिन्दी प्रभाकर
३. भासोज सुदी १० वि सं. १९७७ (१९२० ई.)
४. रतनगढ़ (धूँ—राज०)
५. एलोपैथिक चिकित्सक
६. सं० २००४ (१९४७ ई.) मे एक हिन्दी पोथी छपी
७. लेख भर कवितावां दीपक, मीरा, सुकवि, राजस्थानी मन्नाड टाट दन्देष्ट पत्रा में छपी
८. —
९. 'राजस्थानी गौरव' नांव रे भासिक पत्र रो मंडाट
१०. पो० रतनगढ़ (धूँ—राज०)
११. डा० गणेशमल बाफणा (जैन) पो० मृष्टान 'हिन्दी' ३२२६२१

१. गिरधारीलाल मालव
२. बी. ए., बी. एड.
३. १७-४-१९३६ ई.
४. गांव बरसेडा (अंता-कोटा-राज०)
५. अध्यापन
६. ऊषण नीरी राजहंमणी-१९७६-अणहद-काव्य-१०/लोकमंच अंता
७. कचनार, चामल, जायती जोत आद सगळी पत्रिकावां में ही छपी
८. —
९. 'कचनार' मे संपादन सहयोग
१०. रमाकुटीर पो. बरसेडा (अंता-कोटा-राजस्थान)
११. ऊपर मुजब

१. गिरधारी सिंह राजावत
२. बी. ए., बी. एड.
३. १६-६-१९५१ ई.
४. चित्तावा (नागौर-राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. संपादित. बानर, जायती जोत आद पत्रा मे अर शिशा विभागीय मंकलन ताराण १९७८, वेते रा चित्तराम १९७७ आद मे छपी
८. —
९. आकाशवाणी सू. रचनावा प्रसारित
१०. टि० जननमिह राजावत, पो० चित्तावा (वाया कुकनवाली-राज०)
११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पो० बोरसिया (नागौर)

[३३]

१. गिरिधरलाल शास्त्री
२. साहित्य शास्त्री, व्याकरण मध्यमा
३. २-४-१८६४ ई.
४. —
५. राज री सेवा सूं निवृत्त
६. प्रणवीर प्रताप (नाटक), मेघदूत, मालविकाग्नि मित्र (अनुवाद), उमर-खय्याम, गगलहरी, कदना लहरी, मोहरी मोहरी, दुर्गा सप्तशती, सत्य-नारायण कथा, मनसा महादेव री बात (सगळी राजस्थानी) । संस्कृत भर हिन्दी में भी ऊंचे दर्जे री पोथिया छपी
७. अनेक पत्र-पत्रिकावा में छपी
८. श्रीमद्भागवत री सरल हिन्दी व्याकरण, रघुवश री सिंह-दिलीप संवाद, सरलव्याकरण, खुद री जीवन चरित्र, कृष्ण चरित्र (१४० श्लोक) काव्य प्रकाश रस प्रकरण, हिन्दी व्याख्या आद अनेक ग्रन्थ पढ्या है ।
९. स्व० चतुरसिंह जी करणानी रा ग्रंथो री संपादन, राजस्थान सरकार सूं पुरस्कृत । संस्कृत विद्वान री रूप में आर्थिक सहायता प्राप्त
१०. २२ १२८ व्यामाध्यम, ब्रह्मपोल, उदयपुर (राज०)
११. ऊपर मुजब

[३४]

१. गिरिराज जोशी
२. बी. ए.
३. ४-७-१९५० ई.
४. बाहमेर (राज०)
५. जन मंत्रालय कार्यालय, बाहमेर में काम करै
६. —
७. ५० नदी पत्रिकावां में १५० रू आसपास रचनावां छपी
८. बहाणी सग्रे
९. महामंत्री बाहमेर साहित्य मंत्रालय, बाहमेर
१०. जोशिया री ऊपरलो बात, बाहमेर—३४४००१ (राज०)
११. ऊपर मुजब

[३५]

१. गुमानसिंह देवल
२. एम. ए., एम. एड.
३. १०-८-१९३६ ई.
४. कुंजड़ावास (जोधपुर)
५. अध्यापन
६. —
७. —
८. करणी सतसई, करणी सबैया, पदावली, विविध भाव सतसई, गांधी चरित सागर, धीर काव्य, देवी काव्य (अनुवाद)
९. —
१०. गांधी-कुम्पड़ा वास, पो. ऊंदलियावास (वाया बिचाडा-जोधपुर-राज०)
११. ऊपर मुजब

[३६]

१. गोविंद कल्ला
२. एम. ए., बी. एड., माइ. ओ. डी., धार. डी. एस., (ग्रोनम), साहित्य विशारद, संगीत प्रभाकर
३. १६-७-१९४० ई.
४. जोधपुर
५. प्रधानाध्यापक, राज. उ. प्रा. विद्यालय, सरदारपुरा, जोधपुर (राज०)
६. —
७. शिक्षा विभागीय संकलन—संख्या १९७६ अर जागती जोत प्राद पत्रा मे धरणी रचनावां छपी
८. “हुंकारा” दुर्गादास राठी (अध्यास), कविता संग्रह
९. ‘कनानि’ मस्या मू. ‘मच रै नागरी करण’ रो अभिधान, ‘त्रिवाणी’ मस्या रा सदस्य, ‘कसा बिहार’ रा मच निर्देशक, कार्टूनिस्ट, चितारा, भाट अर सफरी आद री मूरता बनावै, संगीत, ध्वनि-प्रकाश मे मच री सपूर्ण नाट्यमंली रो अर साहित्य, गिरा, कलावां मे दूजा प्रयोग करै।
१०. जालण मोहस्लो, जोधपुर (जयनारायण व्याम कन्या शाला कने)
११. ऊपर मुजब

१. गोविन्द गौड
२. ग्यारवी ताई
३. १७-६-१९४५ ई.
४. लुहारपुरा, पो. सटवड़ (बूंदी—राज०)
५. राजस्थान राज्य विद्युत मंडल की सेवा
६. —
७. कचनार, चामल, आद पत्रों में कहाण्यां लेख भर कवितावां (कुल ६० नेड़ी) छपी
८. दो हिन्दी उपन्यास भर एक कविता संग्रह
९. सचिव, साहित्य संगम, रावत भाटा (कोटा) 'हिमस्नेह' पत्रिका की संपादन
१०. गांव पी. रटावद (बारा—कोटा—राज०)
११. ८७६, सरदाना निवास, प्रेम भवन के पास, महावीर बाजार, पानीपत (हरियाणा)

१. गोविन्दशंकर शर्मा
२. एम. ए., पी. एच. डी.
३. १३-६-१९४६ ई.
४. जयपुर
५. अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, श्री स्व. गो. पारीक महाविद्यालय, जयपुर
६. —
७. राजस्थानी भाषा, साहित्य, भाषा शास्त्र भर समीक्षा संबंधी तीसरे लेख पत्र-पत्रिकावां में छप्या
८. पूर्वी एवं पश्चिमी राजस्थानी का तुलनात्मक अध्ययन, भारतीय भाषा भाषाएँ एवं राजस्थानी, बूँडाड़ीका भाषा शास्त्रीय अध्ययन, राजस्थानी स्वरूप तथा सरचना, राजस्थानी का वैज्ञानिक व्याकरण
९. सचिव, बूँडाड़ साहित्य संस्थान, जयपुर, संपादक 'जागती ज्योत', सचिव, जनपदीय शोध संस्थान, जयपुर
१०. २०/६ सरस्वती कोलोनी, सेटल स्कूल रं सार्मे, टोक फाटक, जयपुर
११. १२६६, छातीवाड़ा की गल्ली, बादरी का नासिक, जयपुर—३०२००२

[३६]

१. घनश्यामलाल राकावत
२. एम. ए., बी. एड
३. २६-६-१९४५ ई.
४. बोरावड़ (नागौर—राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. अनेक पत्रों में छपी
८. मू गा मोती, श्याम सरिता, संकल्प भुमन, कविता संग्रह
९. —
१०. बोरावड़ (रेलवे स्टेशन के पास) (नागौर) ३४१५०२
११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय गच्छीपुरा (नागौर—राज०)

[४०]

१. चन्दू फडिया 'सोनगरा'
२. गैकेन्ट्री तार्ई
३. १-१-१९५५ ई.
४. बाबळवाडा (भिरवाडा—उदयपुर)
५. शोधगार
६. —
७. राजस्थान पत्रिका में हिन्दी और जागती जीत में राजस्थानी कहाणी छपी
८. —
९. —
१०. बाबळवाडा (भिरवाडा—उदयपुर) ३१३८०६
११. ऊपर भुजब

[४१]

१. चन्द्रकांता सरमा
२. श्यामबी कथा ताई
३. १४-११-१६५८ ई०
४. —
५. सुतंश सेखन
६. —
७. जागती जोत, भोळमो, मधुमति आद पत्रों में छपी
८. —
९. —
१०. सिकन्दरा (जयपुर) ३०३३२६
११. ऊपर मुजब

] ४२]

१. चन्द्रदत्त भावन
२. बी. ए., बी. एड.
३. १३-१-१९०८ ई०
४. जयपुर
५. सेवा निवृत्त अध्यापक, ज्योतिष
६. —
७. शाकाशयाणी पर कवितावां, वार्तावां अर सम्मेलनों में निबंध पढ़पा
८. महाभारत रा पात्रों रो चरित्र
९. ज्योतिष अर अध्यात्म मे रूचि
१०. १९७३ होळी टीना, पुराणी बस्ती, जयपुर
११. ऊपर मुजब

[४३]

१. चंद्रप्रकाश देवल (चंद्रप्रकाश सिंह)
२. एम. एस. सी. (रसायन)
३. १४-८-१९४६ ई०
४. मोटीणा (बल्लभ नगर—उदयपुर—राज०)
५. ग० ने मेडिकल कॉलेज रँ जीव रसायन विभाग में सेवा
६. पत्नी—देवल प्रकाश, मोटीणा, काव्य १९७७ १५/-
७. जागती जोत, दीठ, हुरावल, हतबारी पत्रिका आदि में कवितायाँ और कहानियाँ छपी
८. "मोतीर म्हारो मांम मरं नयूं नी" (कविता-संग्रह)
९. साहित्य अकादमी, दिल्ली यूँ 'पाणी' पोथी पुरस्कृत
१०. गांव मोटी सर, पो. पूरियासेड़ी (बाया मावली ज०—उदयपुर—राज०)
११. जीव रसायन विभाग. ग. ला ने. मेडिकल कॉलेज, भजमेर (राज०)

[४४]

१. चन्द्रशेखर व्यास
२. व्याकरण कोविद, आयुर्वेद विचारद
३. चंत बदी १३ सं० १९६८ वि० (१९११ ई०)
४. बुरू
५. घंटक
६. 'शेखर का सोरठा' (प्रकाशक : गोविन्द चणवाल, मोल ०.५०, सन् १९५७ ई)
७. धेवा (एकान्ती-नाटक)—प्रवासी (रंगून)
दायत्री (..)
८. —
९. हिन्दी के ओ नाटक घर कहाणी लिखी
१०. पो० बुरू (राज०) ३३१००१
११. उतर मुख

[४५]

१. चन्द्रसिंह
२. बी. ए., विशारद
३. उमर लगभग ७० वरस
४. बिरकल्लो (नोहर—गंगानगर—राज०)
५. सेती बाड़ी
६. बादली (काव्य), लू (काव्य), बाळसाद (फुटकर रचनावां), दिलीप (अनुवाद), काळजै रो कोर (अनुवाद), चित्रांगदा (अनुवाद), कहमुकरणी (काव्य), जकरनामो (अनुवाद)
७. मुलाणी भाद पत्रा में छपी
८. साभ, वसंत, घोरा, चामणी, डांफर, गाथा सप्तशती, रघुवंश, मेघदूत (अनुवाद)
९. अध्यक्ष, राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर, सदस्य, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर, अध्यक्ष, राजस्थान लेखक सहकारी समिति, जयपुर (सगळा पद भूतपूर्व). रत्नाकर पुरस्कार भर बसदेवराम पदक सँ सम्मानित श्रेष्ठ साहित्य कार रूप में साहित्य अकादमी सँ सम्मानित ।
१०. बिरकल्लो (नोहर—गंगानगर—राज०)
११. ऊपर मुजब

[४६]

१. चतुर कोठारी
२. एम. ए. (हिन्दी), साहित्य रत्न, बी. एड.
३. २६-१-१९३६ ई०
४. हिन्दी पुस्तक
५. —
६. —
७. जागती जेत, बीकानेर तथा ४२ अन्य पत्र-पत्रिकाओं में हिन्दी-राजस्थानी काव्य रचनावां छपी
८. हिन्दी पुस्तक
९. तरण साहित्य मंगल रा मस्थापक, राजस्थानी भाषा प्रचारिणी सभा, राजसमंद रा पदाधिकारी भर दूत्री अनेक सामाजिक संस्थावां सँ जुडघोडा कई सम्मेलन, उपनिषद् भर गोष्ठियां रो आयोजन करघो
१०. कोठारी सदन, बहापाड़ा, राजसमंद (उदयपुर—राज०)
११. ऊपर मुजब

[४७]

१. चिरंजीलाल शर्मा
२. दसवी कक्षा
३. २३-१-१९४२ ई०
४. बीकानेर
५. निज्ज व्यवसाय
६. —
७. जागती ज्योत, हिन्दुस्तान ग्राह पत्रों में छपी
८. मोर री पांखों, पगलिया, ('दोनों' कविता संग्रह) ग्राहमी सूँ जिनावर
(कहानी संग्रह)
९. —
१०. फेवरीट वाच इम्पॉरियम, राणी बाजार, बीकानेर—३३४००१
११. डामा क्वार्टर १, राणी बाजार, बीकानेर—३३४००१

[४८]

१. चेतन स्वामी
२. दसवीं तारीख
३. ४-३-१९५७ ई०
४. श्री डूंगरगढ़ (चुरू)
५. व्योपार
६. —
७. वर्तमान, कथास्रोत, वैचारिकी, इंदौर देश, ग्रामती ज्योत, युगपक्ष, ग्रामधर
ग्राह पत्रों में छपी
८. 'बान री डल्ली' (कहानी संग्रह) गटरस (कविता संग्रह)
९. राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्री डूंगरगढ़ सूँ प्रकाशित
'राजस्थानी' पत्रिका रा प्रबंध गपादक
१०. पोना नविष स्टॉन, स्टेशन रोड, श्री डूंगरगढ़ (चुरू) ३३१८०३
११. ऊपर मुखद

१. छगनलाल व्यास
२. बी. कॉम., बी. एस. टी. सी.
३. ७-१-१९५८ ई०
४. खण्डण (बाड़मेर-राज०)
५. अभ्यापन
६. —
७. जागती जोत भाद पत्रों में छपी
८. —
९. —
१०. पी० खण्डण (बाड़मेर-राज०)
११. राज. उ. प्रा. विद्यालय, पी. इन्द्राणा (बाया सिवाना-बाड़मेर-राज०)

१. जंबरीमल शर्मा
२. बी. ए., व्यायाम विचारद
३. १०-३-१९२६ ई०
४. सरदारशहर (भूरु-राज०)
५. अभ्यापन
६. राजस्थानी डीक, (हास्य)—१-००
७. —
८. गांधी की मोठी बोली (३००० कहावती), नौ बानगी (६ प्रहसन जिका छेल्या गया), फुटकर कहाणी, कविता भाद
९. —
१०. गेनाराम जंबरीमल शर्मा, धामुणा मोहल्ला, सरदारशहर (भूरु-
११. ऊपर भुजब

१. डॉ० जगमोहन सिंह परिहार
२. बी. एस. सी., एम. ए. (हिन्दी) पी. एच. डी.
(विषय—“राजस्थानी साहित्य का इतिहास विक्रम स = १६५०-१८००”)
डी० लिट०
(विषय—“राजस्थान में विविध भक्ति सम्प्रदाय और ‘उनके’ साहित्य का ऐतिहासिक, साहित्यिक एवं दार्शनिक अनुशीलन”)
३. ३-३-१९४७ नावा (जोधपुर)
४. आकाशवाणी के जोधपुर केन्द्र पर हिन्दी कार्यक्रम उद्घोषक
५. (१) मध्यकालीन चारण काव्य पुस्तक वर्ष १९७९ में मयंक प्रकाशन जोधपुर से प्रकाशित, मूल्य ५०) इस पुस्तक पर अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए और इसे जोधपुर विश्वविद्यालय एम. ए. (उत्तराखंड) हिन्दी के पाठ्यक्रम में अभिस्तावित किया गया है।
(२) मेवाड़ की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि पर आधारित ऐतिहासिक नाटक ‘रक्ताभिषेक’ का मयंक प्रकाशन जोधपुर से वर्ष १९८० में प्रकाशन मूल्य १५)
(३) मयंक प्रकाशन, जोधपुर सूँ वर्ष १९८० में ही राजस्थान के लोक देवताओं के जीवन चरित्र की ऐतिहासिकता पर आधारित पुस्तक ‘राजस्थान ११ लोक देवता और या रो साहित्य’ प्रकाशित मूल्य १५)
६. (१) शोध पत्रिका, मोसवात नुबक सन्देश, सरहदी आवाज, जलसेदीप, राजपूत सन्देश, अभयदूत सपशक्ति तथा मधुमती आदि पत्र-पत्रिकाओं में साहित्यिक और शोध निबन्ध, कविताएँ आदि रो प्रकाशन
(२) अन्तर्राष्ट्रीय स्तराति प्राप्त अंग्रेजी ज्योतिष पत्रिका ‘दी एस्ट्रोलोजिकल मीजजीन’ में अनेक ज्योतिष शास्त्र की रचनाओं का प्रकाशन
(३) आकाशवाणी केन्द्रों से कविताएँ, नाटक, रूपक तथा हिन्दी और राजस्थानी में अनेक साहित्यिक वार्ताओं का प्रसारण
७. डॉ० जगमोहन सिंह परिहार, २७६, सरदारपुरा, रोड न० १०-सी, जोधपुर (राजस्थान)
८. २८३, पुरोहित भवन, नयना नेहरू नगर, सीपावनी रोड, जोधपुर (राजस्थान)

[५२]

१. जगदीश पंडित
२. आचार्य (साहित्य, आयुर्वेद, दर्शन), विद्यावारिधि. महोपाध्याय, एम.एड.
३. २०-८-१९३८ ई०
४. रणसीसर (नागौर—राज०)
५. व्याख्यान, राजसेवा
६. —
७. शिक्षा विभागीय संकलन (लक्षाण) में अ० श्रवणोपासक, जनमंगल आद पत्रों में रचनाओं छपी
८. अणुजाण्यां के नांव आखर (कवितावां) अर हिन्दी—संस्कृत री पांच पोथ्यां
९. सदस्य, राजस्थान संस्कृत, साहित्य सम्मेलन अर विश्व संस्कृत परिषद्
१०. सिखवाळ भवन, पो० रणसीसर (नागौर)
११. राज० उ. मा. विद्यालय, बालेसर (जोधपुर—राज०)

] ५३]

१. जमनाप्रसाद 'ढाडाराही'
२. बी. ए., बी एड.
३. १-११-१९१२ ई०
४. कोटा
५. सेवानिवृत्त राजकर्मचारी (अध्यापक)
६. रतूंगढली-भारतेन्दु साहित्य समिति १९७४-७५
(काव्य) कोटा
७. शिक्षा विभाग री पोथ्या में अर चामळ, चिदम्बरा, जामुति, कचनार आद पत्रों में नाटक, गजन, गीत आद छप्या
८. —
९. भारतेन्दु साहित्य समिति, कोटा सूँ जुड़ेडा
१०. शिवदास घाट री गळी, कोटा—६
११. ऊपर मुजब

[५४]

१. जयकृत शेखावत 'अकेला'
२. उच्च माध्यमिक कक्षा
३. २०-८-१९६० ई०
४. पो० करोरी (जयपुर)
५. वन विभाग की सेवा
६. —
७. जागती जोत, कला श्रृंखला, बातघर घाट पत्रिकावां में छपी
८. 'प्रसफल प्रेमी' उपन्यास
९. —
१०. पो० करोरी (बाया खेजड़ीलो—जयपुर)
११. वन विभागीय बित्री केन्द्र, प्रतापगढ़ (चित्तीड़-राज०) ३१२६०५

[५५]

१. डॉ० जयचन्द्र शर्मा
२. हिन्दी विचारद, डॉ० ऑफ म्यूजिक
३. १६-६-१९१६ ई०
४. धूलू (राज०)
५. निदेशक, श्री संगीत भारती, बीकानेर
६. भीटियो (नृत्य नाट्य) प्रौढ शिक्षा समिति, बीकानेर—१९७७-०.३५
७. लोक गीत, संगीत, नृत्य, नाट्य और साहित्य की विधावां में जागती जोत, घरदा, नैलासी, मदवाणी, ईसरलाट, झारोदेग, हराबल, राजस्थानी आद पत्रां में रचनावां छपी
८. गणगौर (नाटक), मोरगियो नाई, एक म्यान में दो तलवार (घोत्रू एकीकी), राया की चिकनिक, भीरो मंगल, लयपत (सगळा नृत्य नाटक) फूलकंवर, टमरकटू, मेहनत की पल्ल, चन्द्र ग्रहण, टावरटोळी (सगळा टावररी जोग नृत्य नाटक), गवैयां की गोठ (हास्य रचनावां)
९. संगीत प्रवीण, संगीत कलापर घर संगीतेन्दुरी उपाधि मिली, राजस्थान संस्था संघ, नई दिल्ली सू० अभिनदन घर ११००१) नकद । राजस्थान संगीत नाटक अकादमी रा मदम्य
१०. संगीत भारती, गंगाग्रहर रोड, बीकानेर—३३४००१
११. ऊपर मुखब

[५६]

१. जयपाल
२. एम. ए. (भूगोल)
३. २-४-१९५७ ई०
४. हरनावदी जागीर, पो० छीपा बडौद (कोटा—राज०)
५. पढाई
६. —
७. जागती जोत, कचनार, हिमस्नेह, जननायक आद पत्रों में छपी
८. —
९. —
१०. अंता (कोटा—राज०)
११. ऊपर मुजब

[५७]

१. जयप्रकाश पंड्या 'ज्योतिपुंज'
२. एम. ए. (संस्कृत, इतिहास), साहित्य रत्न, बी. एड.
स्नातकोत्तर पत्रकारिता डिप्लोमा, संगीत (गायन) में जूनियर डिप्लोमा
३. २८-६-१९५२ ई०
४. पो० टामरिया (हूंभरपुर—राजस्थान)
५. प्रसारण अधिकारी, आकाशवाणी, उदयपुर
६. —
७. जागती जोत आद पत्रिकाओं में छपी
८. बागड़ी काव्य सभ दो (छुदरा), बागड़ी कहाण्यां (खुदरी), बागड़ी लोकगीत, लोक कथा, कहावतों भर मुड़ावरों की तीन पोथियां (संपादित)
९. स्कॉटलैंड में राष्ट्रपति पुरस्कार
१०. पो० टामरिया (हूंभरपुर—राज०)
११. आकाशवाणी, उदयपुर (राज०)

[५८]

१. जय व्यास (जय गोपाल)
२. दसवीं तारी
३. २६-८-१९४२ ई०
४. कानपुर (उ. प्र.)
५. शिक्षा निदेशालय, बीकानेर में सेवा
६. —
७. अनेक पत्रों में छपी
८. यात्रा की कहानी—संग्र
९. —
१०. मैथिलीसर कृष्ण, व्यासगढ़ी, बीकानेर—३३४००१
११. ऊपर भुजब

[५९]

१. जानकीप्रसाद पुरोहित
२. बी ए.
३. १६-६-१९३५ ई०
४. रामगढ़ सेनावादी (मीकर—राज०)
५. सम्पादन
६. —
७. हास्य, व्यंग्य, विनोद और लोक साहित्य तथा संस्कृति संबंधी पुस्तक रचनाओं पत्र-पत्रिकाओं में छपी
८. पुस्तक रचनाओं
९. सेनावादी या वरिष्ठ पत्रकार
१०. रामगढ़ सेनावादी (मीकर—राज०)
११. ऊपर भुजब

[६०]

१. जीवराज शर्मा
२. दसवीं ताई, राजस्थानी साहित्य विसारद
३. ८-१०-१९४३ ई०
४. काळू (वीकानेर)
५. अध्यापन—राजसेवा
६. —
७. चारित्रिक विसयी पर रचनावां छपी
८. पुष्पांजली (राजस्थानी कवितावां)
९. —
१०. काळू (वीकानेर)
११. ऊपर मुजब

[६१]

१. जीवानंद 'भानंद'
२. शास्त्री, साहित्य भूषण, विद्या वाचस्पति, वेदधर्मी
३. चैत यदी ७, वि १९८० (१९२३ ई०)
४. पाटोदा (बठोठ पाटोदा—सीकर—राज०)
५. निजू व्यवसाय
६. वैदिक सृष्टि विज्ञान, राजस्थान संस्कृत परिषद ग्रन्थ, प्रभात चन्दना भाद कुल ७ पीप्यां हिन्दी में छपी
७. वैदिक बाङ्गमय भर शेखावाटी संस्कृति संबंधी रचनावां जागती जोत भाद पत्रा में छपी
८. भाड़वी—बलजी-भूरजी, डूंगाजी—जंवारजी, वैदिक विकृति विज्ञान
९. संपादन 'जनपथ' साप्ताहिक, 'अखण्ड राजस्थानी' साप्ताहिक, कुल सचिव, राजस्थान ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम, रतनगढ़, अध्यक्ष, चूरू जनपदीय संस्कृत साहित्य सम्मेलन, भर साहित्य कला संगम, रतनगढ़, संस्कृत प्रचार में स्वर्णपदक प्राप्त
१०. भानंद सदन, रतनगढ़ (चूरू—राज०)
११. ऊपर मुजब

[६२]

१. जुगल परिहार
२. —
३. —
४. जोधपुर
५. अध्ययन
६. —
७. जागती जोत, अक्षरचंद्र आदि पत्रों में छपी
८. जन्मान्तरेऽपि (सधु नाटक), एकाकी संग्रह, कहाणी संग्रह, विष्णु कथाओं हेतु रचित उपन्यास), अजब अनोखी जंगल (बाल मुक्त संग्रह), कुम्हू (बाल उपन्यास)
९. जोधपुर की साहित्यिक संस्थाओं से जुड़े हुए
१०. कुम्हारिया कूवा, कुम्हारों की गली, जोधपुर (राज०)
११. ऊपर मुद्रित

[६३]

१. जोगीदान कविया 'धारेंठ'
२. मैट्रिक, प्रभाकर
३. द्वितीय जेठ सुदी ४, सं० १९६१ वि० (१९०४ ई०)
४. सेवापुरा (जोधपुर)
५. राज की सेवा से निवृत्त
६. श्रीमद् भगवत गीता सतसई, त्यागमूर्ति श्री भणेशदास जी, संवरयंग का संक्षिप्त इतिहास, हठी हमीर आदि संपूर्ण रचनाओं, संपादन-मेहार्ज महिमा नांव की पोथी
७. भरकाणी, जागती जोत, क्षात्रधर्म संदेश आदि अनेक पत्रिकाओं में छपी
८. पैराग सतक, सिलुगार सतक, नीति सतक, उरदू शेरों का राजस्थानी अनुवाद अमर शीन, नक्षत्र चालीसा, महावीर भक्तमयंद महिमावली, गुरूप-कुरूप वपन, शिव गोरखस्तुति, कुरानमजीद (२०० दूरी), इजोत (२०० दूरी) आदि
९. नागरी प्रचारिणी मभा काशी की 'बाला बहन राजपूत-चारण ग्रन्थमाला' का दृष्टी
१०. नाव पो० सेवापुरी (जोधपुर—राज०)
११. ऊपर मुद्रित

[६४]

१. भावरसिंह त्रायं
२. एम. ए. (राजनीति विज्ञान, इतिहास), बी. एड. राजस्थानी साहित्य पारखी (स्वर्ण पदक विजेता)
३. ५-६-१९३७ ई०
४. जेजूमर (भूँभणू—राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. बातां घर कहानिया 'वानर' भाद पत्रा में छपी
८. 'भीणीभीनी बातां'
९. संयुक्त मंत्री, राजस्थानी साहित्य संस्थान, भूँभणू, राजस्थान भासा प्रचार सभा की परीक्षावाँ रा संयोजक
१०. जेजूमर (भूँभणू—राज०)
११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पो० टाँई (भूँभणू—राज०)

[६५]

१. डी. आर. राठीड 'निमल'
२. एम. ए. (इतिहास), बी. एड.
३. २१-५-१९३८ ई०
४. बिलाडा (जोधपुर)
५. अध्यापन—राजसेवा
६. —
७. चेतन प्रहरी, संघ शक्ति, सीमा मंदल भाद पत्रा में लोक साहित्य घर संस्कृति संबंधी रचनावा छपी
८. राजस्थानी साहित्य में मूठार्य घर पहेलिया घरतड ज्योति (विवाह संबंधी गीत)
९. अन्तर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद् मूँ जुड़ेडा
१०. पोंदावता की गुवाड़, पोलियावास) बिलाडा (जोधपुर)
११. राजकीय उ. प्रा. विद्यालय, बिलाडा (जोधपुर)

[६६]

१. डी. पी. जोशी
२. एम. ए. (इतिहास), एल. एल. बी., बी. एड.
३. २०-६-१९२४ ई०
४. बीकानेर
५. मध्यापन
६. सेलो संबंधी पोष्ठां हिन्दी में लिखी । 'घनेरी' नांव सू' कहाणी संग्रं
छपायी (१९७०)
७. फुटकर रचनायां अनेक पत्रां में छपी
८. कवितायां भर रेखाचित्र है
९. —
१०. ईदगाहबारी, बीकानेर
११. ऊपर मुजब

[६७]

१. दलपत परिहार
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. १४-२-१९४८ ई०
४. गोव मुंदारा (पाली—राज०)
५. भूजम विभाग री सेवा में
६. —
७. कहाण्यां, कवितायां, गजलां भर समीक्षायां छपी
८. "मिनरा कं भेड़" नाटक
९. सचिव, विद्या नाट्य परिषद्, जोधपुर
१०. टि० मधमदाम जी बीराना, जातोरी गेट रं भांय, नहर रं कने, जोधपुर
११. ३३. गोस्वामी मार्ग, ब्रह्मपोड, उदयपुर—३१३००१

[६८]

१. दूधसिंह काठात
२. एम. ए., बी. एड.
३. आयु लगभग ४७ बरस
४. सोनगिरी (व्यावर—अजमेर—राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. मरवाणी, जागती जोत, कचनार आद पत्रा में छपी
८. —
९. —
१०. सोनगिरी (व्यावर—अजमेर—राज०)
११. रा. उ. मा. विद्यालय, प्रताप नगर, भीलवाड़ा (राज०)

[६९]

१. दुर्गादानसिंह गौड़
२. दसवीं तारीख
३. १०-१०-१९४७ ई०
४. मटरू (कोटा)
५. छेती-बाड़ी
६. —
७. जागती जोत, बामक, कचनार, हराबल, मधुमती आद पत्रां भर अनेक संकलनों में छपी
८. श्रीवा हरियो रहीर्ज रै (काव्य संग्रह) चक्रमक (रेखा चित्र)
९. —
१०. गांव पो० जोतमा (खानपुर—भासावाड़—राज०)
११. ऊपर मुखब

[६६]

१. डी. पी. जोशी
२. एम. ए. (इतिहास), एल. एल. बी., बी. एड.
३. २०-६-१९२४ ई०
४. बीकानेर
५. सप्रदायन
६. रीता संबंधी पोस्मो हिन्दी मे निम्नी । 'धनेरी' नाँव भूँ कहानी मंत्र
७. छपायी (१९७०)
८. फुटकर रचनाओं अनेक पत्रों में छपी
९. कविताओं घर रेखाचित्र है
१०. —
११. ईदगाहवारी, बीकानेर
१२. ऊपर मुद्रण

[६७]

१. दलपत परिहार
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. १४-२-१९४८ ई०
४. गाँव मुँडारा (पाली—राज०)
५. भूजल विभाग की सेवा में
६. —
७. कहाण्यां, कविताओं, गजलों घर समीक्षाओं छपी
८. "मिनल के भेड़" नाटक
९. सचिव, दिना नाट्य परिषद, जोधपुर
१०. ठि० अचलदास जी बोराणा, जालोरी गेट रै माँय, नहर रै कनै, जोधपुर
११. ३३, गोस्वामी मार्ग, ब्रह्मपीठ, उदयपुर—३१३००१

[६८]

१. दूधसिंह काठात
२. एम. ऐ., बी. एड.
३. आयु लगभग ४७ वरस
४. सोनगिरी (व्यावर—अजमेर—राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. मरवाणी, जागती जोत, कचनार आद पत्रां मे छपी
८. —
९. —
१०. सोनगिरी (व्यावर—अजमेर—राज०)
११. रा. उ. मा. विद्यालय, प्रताप नगर, भीलवाड़ा (राज०)

[६९]

१. दुर्गादानसिंह गौड़
२. दसवीं तारीख
३. १०-१०-१९४७ ई०
४. मटरू (कोटा)
५. छेती-बाड़ी
६. —
७. जागती जोत, चामक, कचनार, हरावळ, मधुमती आद पत्रां भर अनेक संकलनां मे छपी
८. आंबा हरिमो रहीजै रै (काव्य संघ) चकमक (रेखा चित्र)
९. —
१०. गांव पो० जोसमा (खानपुर—भासावाड़—राज०)
११. ऊपर मुअब

[७०]

१. देवकर्णसिंह राठीड़
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. २३-१-१९३६ ई०
४. रुपाहेली कला . भीमबाहा—राज०)
५. प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, भूपाल गोवल्स महाविद्यालय, उदयपुर
६. जननायक प्रताप (महादन)
७. जागती जोत, मद्धाणी मधु शक्ति, मधुवति आद अत्रिकायां में दूहा दया
८. विरता अर विरहण, पिऊ पीवं दाह, हसीम रां मूर, चमगड हेमादेव, भूदान
९. सदस्य, सरस्वती मभा, राजस्थान साहित्य अकादमी, जीवन सदस्य, विद्या प्रचारिणी मभा, उदयपुर, मानद निदेशक, प्रताप घोष प्रतिष्ठान, उदयपुर विश्व हिन्दी सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि यण'र मारीगता गया
१०. रुपाहेली कला (भीमबाहा—राज०)
११. भूपाल गोवल्स कलेज, उदयपुर (राज०)

[७१]

१. देवकृष्ण शर्मा
२. साहित्याचार्य, मांस्वयोगाचार्य, वेदान्ताचार्य, एम. ए. (संस्कृत)
३. —
४. जायल (नागौर—राज०)
५. व्याख्याता (संस्कृत), श्री कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीकर (राज०)
६. संस्कृत व्याकरण संबंधी पोथी
७. स्वरभंगला, विश्वंभरा आद पत्रों में मांस्कृतिक विषयों पर लेख
८. —
९. राजस्थान रं इतिहास अर संस्कृति पर घोष में रुचि
१०. जायल (नागौर—राज०)
११. कल्याण कलेज, सीकर (राज०)

[७२]

१. देवकृष्ण शर्मा
२. बी. कॉम.
३. १५-८-१९६१ ई०
४. बीकानेर
५. राजकीय सेवा
६. —
७. ६० तैली रचनावां जागती जीत बाद अनेक पत्रिकावां में छपी
८. 'नगारै मे ऊंदरी' (टावरों की कवितावां)
९. आदर्श युवा परिषद् का सचिव
१०. मादा बाला हाउस, जस्मूसर गेट, बीकानेर
११. ऊपर मुजब

[७३]

१. धनदान लाहलस
२. परंपरागत काम शिक्षा
३. भादवा सुदी ११ सं० १९७२ वि० (१९१५ ई०)
४. चाँचलवा, पो० घोटांम्वर (जोधपुर—राज०)
५. परू काम
६. —
७. चारण साहित्य, संघ शक्ति, कर्मठ राजस्थान आद पत्रों में रचनावां छपी
८. बुडापे रा अचमूल पचपनी, धायनिदा बाईसी, करतार. कीरत मत्तीसी, महामाया करली महिमा आद अनेक फुटकर गीत, कवित्त, दूहा, सर्वसा
९. डिगल-पिणल रा चोला जालुकार
१०. गाँव चाँचलवा, पो० ओटांम्वर (जोधपुर)
११. ऊपर मुजब

[७४]

१. डॉ० धनराज चौधरी
२. एम. ए , पी. एच डॉ (भौतिकी)
३. १८-६-१९४२ ई०
४. जालोर (राज०)
५. प्रवक्ता, भौतिक शास्त्र विभाग, राज० विश्वविद्यालय, जयपुर
६. 'प्रवाह' नांव मू' हिन्दी उपन्यास १९७७ मे छपी
७. जागती जंत, धर्मपुर, वादस्विनी घाट मे कहाण्यो, व्यंग्य, समीक्षायां घाट छपी
८. —
९. स्वीडन, जर्मनी, फ्रांस घाट यूग्योहा
१०. २ घ ५ जवाहर नगर, जयपुर—३०२००४
११. ऊपर मुजब

[७५]

१. नन्दकिशोर शर्मा
२. एम. ए (इतिहास), पी एड.
३. १-१-१९३८ ई०
४. जैसलमेर
५. अध्यापन
६. जैसलमेर परिचय, जैसलमेर की रमलें, जूनी जैसलमेर (गुजराती), जैस-मेर, दी गॉल्डन सिटी, जैसलमेर (फॅच)नांवां री बोध्या छप्योड़ी है ।
७. कवितावा, लेख घाट जागती जोत, मदवाली आद पत्रां मे छपी
८. 'पंथियां रा गीत' (काव्य)
९. मंत्री, घंतर प्रातीय कुमार साहित्य परिषद्, जैसलमेर
१०. जैन धर्मसाळा रें पास, जैसलमेर
११. ऊपर मुजब

[७६]

१. नमोनाथ अवस्थी
२. हायर सैकेन्डरी
३. ४-५-१९५३ ई०
४. डौराबळी, सेइला (सवाई माधोपुर—राज०)
५. स्वतंत्र लेखन
६. —
७. अनेक पत्रिकाओं में लगातार छपे
८. —
९. 'युवा हस्ताक्षर' की संपादन आकाशवाणी सूँ वार्तावा की प्रसारण
१०. गाँव डौरायली, पो० सेइला, जिला सवाई माधोपुर (राज०)
११. ऊपर मुजब

[७७]

१. डा० नरपतचन्द सिंघवी
२. एम. ए., एल. एल. बी., पी. एच. डी.
३. १-१-१९२५ ई०
४. नागौर (राज०)
५. रीडर, हिन्दी विभाग, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर
६. हिन्दी की दो पोथियाँ १९७० अर ७२ में छपी
७. जागती जोत बाद में छपी
८. —
९. सदस्य, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर, जोधपुर विश्वविद्यालय की एकेडमिक कॉन्मिन रा सदस्य । जोधपुर की अनेक साहित्यिक सांस्कृतिक संस्थाओं में जुड़े
१०. १, मोतीनाल बिल्डिंग, जोधपुर
११. ऊपर मुजब

[७८]

१. नवलकिशोर 'कांकर'
२. एम. ए. (संस्कृत), साहित्याचार्य, व्याकरणाचार्य
३. ऊपर लगभग ६२ वरस
४. जयपुर
५. सेवा नियुक्त संस्कृत प्राध्यापक
६. 'सैल सपाटा' छाया वर्णन—१९८०—१५/-
७. संस्कृत पत्रिकावां मे बेसी लिखी
८. छुद रा बलाघोटा राजस्थानी दूः रा रो शोधी
९. संस्कृत रचना पर साहित्य अकादमी मूँ पुरस्कृत, बेदी रो बिसैम अप्पदन
१०. सुमेर कर्ण भार्ग. रामनञ्ज घनाञ्ज भंडी, जयपुर—३०२००३
११. ऊपर मुजब

[७९]

१. डॉ० नागरमल सहळ
२. एम. ए., पी. एच. डी, एल एन बी, साहित्य विभागाद
३. भादवा बदी ७, १९७६ वि० (१९१९ ई०)
४. नवलगढ़ (भूभणू—राज०)
५. भवकाश प्राप्त प्रोफेसर अर अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, जोधपुर विश्व-विद्यालय, जोधपुर
६. अंग्रेजी मे 'सिक्स्टी ईयर्स ऑफ रीएलिस्टिक लायरीशड्रामा—१९७१
७. जागती जोत, मरु भारती, मरुधी भाद पत्रा मे छपी
८. अरस्तू रो पोट्राटकन रो हिन्दी अनुवाद
९. सदस्य, स्वातिगर, उदयपुर विश्वविद्यालय सदस्य, सीनेट, जोधपुर विश्व-विद्यालय सोध प्रबधा रा परीक्षक, आचार्य तुलसी, युवाचार्य मुनि नथमल जी तथा मुनि रूपचन्द जी री ९ नैदी पोच्या रा अंग्रेजी अनुवाद
१०. वासंती, हाईकोर्ट कोलोनी, जोधपुर—३४२००१
११. ऊपर मुजब

[८०]

१. नाथूलाल शर्मा 'निडर'
२. एम. ए. (हिन्दी अर राजनीति विज्ञान), बी. एड, साहित्यरत्न
३. १५-१०-१९४३ ई०
४. भोग्याखेड़ी (अंता-कोटा)
५. अध्यापन-राजसेवा
६. आंबला हल्ली रात-उपन्यास-अणहद लोकमंच अंता-१९७६ १२/-
कावच-हास्य व्यंग्य काव्य " ८/-
७. कचनार, धामल, जागती जोत अर अनेक पत्रा मे छपी ।
८. उधाड़ो दलाखो (कहाण्या)
९. संस्थापक सदस्य, 'अणहद' हड़ोती लोकमंच, अंता, संपादक 'कचनार'
१०. पो० भोग्याखेड़ी (अंता कोटा)
११. निडर निवास, अंता (कोटा-राज०)

[८१]

१. नारायणसिंह सादू
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. १५-११-१९४६ ई०
४. भदोरा (नागौर)
५. सर्वोदाय अधिकारी, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर
६. —
७. मरुभारती, रंगयोग, वरदा, चारण साहित्य आद में लेख अख्या ।
८. —
९. 'रंगयोग' रा संपादक, 'चारण साहित्य' रा सह संपादक, शिकागो विश्व-विद्यालय रा सोषदात्रां साथ काम री अनुभव, राजस्थानी सबदकोस में काम री अनुभव ।
१०. भाव पो० भदोरा (नागौर-राज०)
११. राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, पावटा ए रोड, जोधपुर

१. पाबूदान कविया
२. साधारण
३. उमर सत्तर बरस रं अन्दाजन
४. सेवापुरी (जयपुर)
५. छेती
६. —
७. महवाणी, जागती जोत घर चारण का इतिहास भाग २ में कवितावा छपी
८. फूटकर रचनावां भली है ।
९. परंपरा सूं काव्य रचना रो चोखो अभ्यास है ।
१०. गाँव पोस्ट सेवापुरी (जयपुर-राज०)
११. ऊपर मुजब

- १ श्रीमती पुष्पलता कश्यप
२. —
३. १०-१०-१९५३ई०
४. जोधपुर (राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. राजस्थानी, हरावल, अपरंच घाट में लघुकथावां, कहाणी छपी
८. बड़ी तादाद में कवितावा कहाण्यां आंद
९. सदस्या 'त्रिवाणी', जोधपुर सचिव. अन्तर्यात्रि', भोपाल
१०. कचहरी डाकखाने रं पास, जोधपुर-३४२००६
११. ऊपर मुजब

[८८]

१. पुष्पेन्द्र मादरेचा "कमल"

२. एम० ए० (दर्शन)

३. ३-१-१९५६ ई०

४. —

५. —

६. —

७. अनेक पत्र-पत्रिकावां में अनेक विधावां री रचनावां छपी ।

८. —

९. अभिव्यक्ति, राजसमंद, तरुण साहित्य संगम, राजसमंद अर दूजी सामां-
जिक सांस्कृतिक संस्थावां घूं जुड्योडा । कई सपारोही, सम्मेलना घर
गोष्ठ्या री आयोजन कर्यो ।

१०. हाक घर रं कर्न, राजसमंद (उदयपुर)

११. ऊपर मुजब

[८९]

१. पूरन सरमा

२. बी० ए०

३. १४-३-१९३४ ई०

४. गिरनदरा (जयपुर)

५. राजस्थान विश्वविद्यालय री सेवा

६. हिन्दी में "एक और नुड" नांव री पोवी

७. चामळ, हरावल, धांळमो, जागतीजोत, विवेक, विकास आद पत्रिकावां
में रचनावां छपी ।

८. —

९. हिन्दी मासिक "सिधति" री संपादन

१०. गिरनदरा (जयपुर-राज०) ३०३३२६

११. जन शक्ति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (राज०)

[६४]

१. प्रेम जी "प्रेम"
२. एम. ए. (हिन्दी), बी. कॉम
३. २०-१-१९४३ ई
४. गाव : फफटाणो (लाडपुरा-कोटा)
५. नीकरी
६. चमत्ता १९७६—प्रकाशक सुद-हास्य—३.००
 सावली गाँव १९७३ " गजल ३.००
 सेली छाय न्यपूर की १९७५ " उपन्यास ४.२५
 रामचंद्र की राम कथा १९७७ " कहाण्या ८.००
 सूरज १९७८ " राह काव्य १०.००
 सरवर, सूरज घर सभया १९८० राज भा. गा सगम बीकानेर—

७. मरवाणी, हरावल ओलवाण चामल, कचनार, ईगरलाट, हेलो, राजस्-
 थली, इतवारी पत्रिका, जामती जोत घाद मे छपी हिन्दी रचनाया नव-
 नीत, धर्मगुग, हिन्दुस्तान मे छपी ।
८. "माळ को मजोरो" (उपन्यास), पातावेलो (कहाणी)
९. केन्द्रीय साहित्य अकादमी र राजस्थानी सलाहकार मंडल रा सदस्य,
 राजस्थान साहित्य अकादमी भूँ पुरस्कृत, चामल पत्रिका रो संपादन
 नाटका र मचन मे रचि ।
१०. मवर भवन. करवला, लाडपुरा (कोटा-राज०)

[६५]

१. प्रेम वहादुर "सवसेना"
२. एम. ए. (अंग्रेजी, हिन्दी), साहित्यरत्न (हिन्दी) एम. एड.
३. २५-६-३५, सूरतगढ (श्री गगानगर, राज०)
४. अध्यापक
५. वातायन, राधाहात, बातघर, मरदीप. ओलमो, मधुमती, इतवारी पत्रिका
 घादि मे रचनाया छपी ।
६. आकाशवाणी जयपुर र बीकानेर स्यूँ प्रायः कविता कहाणी घर नियन्त्र
 प्रसारित ।
 माळा (राजस्थानी रचनाया रो संग्र) रो सम्पादन, १९७२
 राजस्थान-भारती पत्रिका रो सम्पादन जादूँल राजस्थानी रिसर्च
 इन्टीट्यूट बीकानेर रा कई वर्षा ताई साहित्य-सचिव ।
७. (क) फेरूँ (डा. राजानन्द लिहयो हिन्दी नाटक रो राजस्थानी मे अनुवाद)
 (ख) कुषांतर (समनामयिक समन्यावा पर आधारित नाटक)
८. ई-१५८. अम्बावाड़ी, जयपुर ।
८. प्रधानाध्यापक,
 मेठ दु. द. ज. रा. उ. मा. विद्यालय, बिसाऊ ३३१०२७ (भुंभुनुं)

१. डॉ. प्रेमचन्द्र रावका
२. २० प्रवृत्त १९४३,
३. स्व. श्री मंवरलाल जी रावका कामदार: जनानी ड्योडी, जयपुर ।
४. एम० ए० (हिन्दी), शिक्षा शास्त्री,
जैन दर्शनाचार्य पी. एच. डी, (राजस्थान विश्व. वि.)
५. जयपुर (राज.)
६. अध्यापन (प्राध्यापक हिन्दी :) राजकीय संस्कृत कॉलेज,
मनोहरपुर (सीकर)
७. राजस्थानी भाषा रा १५ बी सदीरा
महाकवि ब्रह्म जिनदास: व्यक्तित्व एवं कृतित्व
८. १ उक्त शोध ग्रन्थ रो प्रकाशन १९८१
श्री महावीर ग्रंथ अकादमी जयपुर द्वारा, द० ४०
२ डॉ० कस्तूरचन्द्र जी कासलीवाल र' सार्थ संस्कृत, अपभ्रंश, राजस्थानी
पाण्डुलिपियाँ रो प्रकाशन माहि सहयोग, ग्रन्थ सम्पादन मे सहयोग
३ पीरवाणी, प्रनेकान्त धर्मण, उच्च अनुसंधान पत्रिका शोध पत्रिका,
जागती जीत, राजस्थान पत्रिका, राष्ट्रदूत, अहिंसावासी, जैन सन्देश,
पं. चेतमुखदाम अभिनंदन ग्रंथ, ले महावीर जयन्ती स्मारिका
भाद १०० साहित्यिक, सामाजिक एवं धार्मिक लेख छप्या है ।
९. प्राच्यविद्या रो अध्ययन घर ग्रन्थेषण में अर साहित्य मे रुचि ।
१०. १९१० खेजडे का रास्ता, जयपुर-१

१. फतहलाल गुज 'नोखा'

२. एम. ए (हिन्दी)
३. ६-४-१९३६ ई
४. कांकोली (उदमपुर-राज०)
५. अध्यापन
६. तीन हिन्दी पोथ्या कवितावां रो मुद्र छपवाई
७. सगाण' सर्ग मे अर मरवाणी. भाद राजस्थानी अर अनेक हिन्दी छापा में
कवितावां छपी
८. मेवाडी मोरया रो भाळा (दूहा) धनोला मोरगीत, विजयी मु'ड (एकांकी)
पचायत (एकांकी)
९. श्री द्वारकेश राष्ट्रीय साहित्य परिषद्, कांकोली रा संचालक
१०. जागड़ी, कांकोली (उदमपुर)
११. ऊपर मुख

[६८]

१. फारुक आफरीदी
२. एम. ए (हिन्दी)
३. २४. १२. १९५२ ई.
४. जोधपुर
५. सहायक जन संपर्क अधिकारी
६. -
७. जागती जोत, मधुमती, जलते दीप, धर्मयुग, नवभारत टाइम्स, दैनिक हिन्दुस्तान, राजस्थान पत्रिका आदि में छपी
८. —
९. उपाध्यक्ष, कला त्रिवेणी; सप्त 'षष्ठी' आकाशवाणी सूँ अनेक बातें प्रसारित,
१०. जालोरी गैट, जोधपुर ३४२००३
११. सहायक जन संपर्क अधिकारी, मूचना केन्द्र, उदयपुर (राज.)

[६९]

१. वजरंग नान पारोक
२. माध्यमिक कक्षा
३. सावन सुदी १४ सं १९७३ वि. (१९१६ ई०)
४. नवलगढ़ (भूँकनू-राज.)
५. साहित्य-साधना
६. किरण; चांदबद्धो गितनार; राणीसती कथामृत; रामायण संकीर्तन
७. भरुवाणी आदि वनों में छपी
८. बाना रामदेव कथामृत, सरी सोटी (नाटक)
९. साहित्य परिषद, लक्ष्मणगढ़ (सीकर), साहित्यिक संस्था 'गंदर्ग' घर श्री जगदम्बा कलाकेन्द्र, नवलगढ़ सूँ अभिनंदन-पत्र भेंट । आकाशवाणी भर देश रा बडा कवि सम्मेलनों में कविता-पाठ
१०. कविता कुटीर, नवलगढ़ (भूँकनू-राज.)
११. ऊपर मुजब

[१००]

१. वजरंग शर्मा
२. एम. ए. (अंग्रेजी); एम. ए. (हिन्दी)
३. १६-४-१९५३ ई.
४. बीकानेर
५. लेखन
६. —
७. हरावल्ल. सिधसिरी, राजस्थानी, जागती जोत, इतवारी पत्रिका, मधुमती
भाद पत्रिकाओं में रचनाओं छपी ।
८. —
९. राज. सा. अकादमी रो 'नवोदित प्रतिभा पुरस्कार' कहाणी साथ मिल्यो ।
१०. जसोलाई तल्लाई, दम्माणी अस्पताल र पास, बीकानेर (राज.)
११. ऊपर मुजब

[१०१]

१. वस्तीमल सोलंकी
२. साधारण
३. ३. ३. १९४३ ई.
४. चिरपटिया (मारवाड़ जंक्शन-याती)
५. व्यवसाय
६. संपादित-१. जामण देवी हेलो २. मिनखा जूण रो मोल घर 'बगड़ावत
महाभारत' (हिन्दी उपन्यास)
७. जागती जोत, मरुवाणी भाद अनेक पत्रिकाओं में घणी रचनाओं छपी
८. भा घरती रंग रुड़ी (उपन्यास); रुड़ो राजस्थान: (काव्य); वस्ती रो
पोड़ (काव्य); जल्लती जोत (कहाणी); टाबरां रो रमत (कविताओं) घर
७ हिन्दी पोषियां
९. राजस्थान साहित्य वितन परिषद्, भीम रा मंत्री; रा. साहित्य अकादमी
सूँ सहयोग प्राप्त
१०. पो. भीम (उदयपुर-राज.)
११. ऊपर मुजब

१. बाल कृष्ण थोलाभिया
२. साहित्यरत्न, इण्टर मीडिएट
३. कातिक वर्दा अमावस, सं. १९६२ वि. (१९०५ ई')
४. कोटा (राजस्थान)
५. अवकाश प्राप्त
६. —
७. चामल, चिदम्बरा, जागती जोत में राजस्थानी रचनाओं पर पाँद, कल-पुष्ट, मातृ भूमि आदि में हिन्दी रचनाया छपी ।
८. नवल कुतुबदीन की रस कया नंद पचीसी (राज०) दोनूँ संवादित ।
९. भारतेन्दु समिति, कोटा सूँ, मन्त्री उपाध्यक्ष, अध्यक्ष, सदस्य आदि रूप में समय समय पर जुड़योहा । वर्तमान में अध्यक्ष, हाड़ाती इतिहास बोध परिषद (कोटा), वल्लभ दिवस १९७५ में जिला प्रशासन सूँ सम्मानित ।
१०. २३/२३७ सराय कायस्थान, कोटा ६
११. ऊपर मुजब

१. बुलाकी शर्मा
२. एम. कॉम.
३. एक मई, १९५७, बीकानेर
४. सरकारी नौकरी
५. —
६. जागती-जोत, राजस्थानी, भुल-भुलियो, ओलमो, मनवार, जलते-दीप, युगपक्ष आदि पत्र-पत्रिकाओं में लगभग दो दार्ई दर्जन कहानियों पर व्यंग्य प्रकाशित तथा अकाशवाणी जयपुर एवं बीकानेर सूँ प्रसारित ।
७. अनेकों संग्रहों में बाल कहानिया, व्यंग्य एवं लघु कथाएँ संग्रहीत । कुछ लघु कथाओं का घर राजस्थानी में हिन्दी में अनुवाद किया है । एक बाल उपन्यास एवं एक व्यंग्य-संग्रह प्रकाशनाधीन
८. मावावाला हाउस,
जस्मूसर गेट के बाहर बीकानेर (राज०)

[१०४]

१. बी. आर प्रजापत
२. एम. ए. (हिन्दी), साहित्य भूषण
३. १५-११-१९३६ ई०
४. जोधपुर (राजस्थान)
५. जोधपुर विश्वविद्यालय की सेवा
६. हिन्दी की एक पोथी-एक मुठ्ठी धूम (१९७८ ई० ८/-)
७. हरावल, हेतो, अपरंच, जलते दीप में राजस्थानी कवितावां, कहाण्यां, झाड़ोचनावा, सेल भाद छप्यां ।
८. दरद यू मतजाग (काव्य) कुत्ता की मोत (कहाण्यां) डोल की पोल (लेख)
९. त्रिवाणी (हिन्दी, उर्दू, राजस्थानी की संस्था) रा उपाध्यक्ष । फोटो-ग्राफीक सोसाइटी ऑफ जोधपुर रा सचिव
१०. तेज भवन, रामदेव गल्ली, जोधपुर
११. फर्स्ट नंबर II एच. ४ विश्व विद्यालय, कॉलोनी. जोधपुर (राज०)

[१०५]

१. बी० एल० माली 'अशांत'
२. एम० ए०, एन० एल० बी०
३. १७-११-१९४८ ई०
४. लक्ष्मणगड (सीकर)
५. केन्द्र सरकार की सेवा
६. किली किली कट को
मिनस रा खोज
बाळकां की याता
बिलानियां दादी
माटी सूं मजाक
दूध भरपो कटोरो
दूधिया दांत
हूं करूं बात भीठी लागें
बोलता भाखर
कुच मादी राजू

(कहाण्या)	१९७८	१०.००
(उपन्यास)	१९७६	१५.००
(संपादित)	१९७६	३.५०
(बाल उपन्यास)	१९७६	५.००
(निबंध)	१९८०	२०.००
(संपादित)	१९८०	५.००
(बाल उपन्यास)	१९८०	५.००
(संपादित)	१९८०	५.००
(नाटक)	१९८१	१५.००
(बाल उपन्यास)	१९८१	५.००

बात में हँकारो	(सम्पादित)	१९८१	५-००
तारा छाई रात	(निबंध)	१९८१	५-००
हसी रा सयहका	(चुटकला)	१९८१	५-००
लप भर मोती	(कहाण्या)	१९८१	५-००
सोनें रो मोर	(कहाण्या)	१९८१	३-५०
डेविड बापर फील्ड	(अनुवाद)	१९८१	६-००
एलिस इन वडरलैंड	(अनुवाद)	१९८२	६-००

७. दैनिक हिन्दुस्तान, नवभारत टाइम्स, योजना सम्पदा, सरिता, सादी ग्रामोद्योग, नवउद्योति, इतवारी पत्रिका, मधुमती, कालबीध मासाहिक हिन्दुस्तान, कहानी, आद मे हिन्दी रचनाओं पर जागती जोत, बतलावण, राजस्थानी आद मे राजस्थानी रचनाओं लगी ।

८. रेत रा घर (नाटक), पावहा, पडाव घर मज्जन (निबंध) अयोपी (उपन्यास) मेरी मुरग जात्रा (हास्य व्यंग्य) राई-राई रेत (कहाण्या) कुलती कविता उकलता भीत (कविता) आगलो भीतर (उपन्यास) पाखी रा फूल (कहाण्या) घर दूजी घोघ्या ।

९. 'भृगुमुण्डिणी' नाम मूँ टाबरां रो पत्र निकाली; राजस्थानी भाषा बाल साहित्य प्रकाशन ट्रस्ट नै संभाली; राजस्थान साहित्य अकादमी मूँ पुरस्कृत

१०. प्रज्ञात कुटीर बडे डाकसाने रे पास सीकर, रोड,
लक्ष्मणगढ (सीकर) राजस्थान

११. पावडिया रे मोहल्लो, पुराणी गिनाणी बीकानेर (राजस्थान)
[१०६]

१. बुद्धरंजन 'अज्ञात'

२. भिपगाधाय, बी ए.

३. नवम्बर १९३८ ई.

४. मनोहरपुर (जयपुर)

५. चिकित्सक, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय

६. प्रेयसी प्रवास (हिन्दी)

७. जागती जोत (कविता)

८. मेघदूत (प्रधानुवाद) कवितांजलि

९. —

१०. वैद्य बुद्धरंजन 'अज्ञात' ठि. अजेश साहित्य सेवा सदन पो मनोहरपुर (जयपुर)

११. चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पो. सानकोटडी (जयपुर)

[१०७]

१. बलाकीदास देवड़ा 'नादान'
२. बी. ए., सी. लिव.
३. ५. ७. १९५३ ई
४. बीकानेर
५. सरकारी नौकरी
६. —
७. इन्दवारी पत्रिका, सिधसिरी, भुणभुणियो, राष्ट्रदूत, सेनानी भाद पत्रों में
छपी घर आकाशवाणी सूँ बोलीजी
८. —
९. सामाजिक कार्यों में रुचि
१०. जस्सूमर दरवाजें बारी, बीकानेर
११. ऊपर मुजब

[१०८]

१. वैज नाथ पंचार
२. इष्टर मीडिएट, साहित्यरत्न
३. सावण बदी ७, १९८१ वि. (१९२४ई)
४. रतन नगर (चूरु)
५. अवकाश प्राप्त
६. अकल बिना ऊंट उभाणों प्रौढ पोथी (प्रकाशक मोहर सिंह राठोड़, चूरु,
मोड २-०० । १९५६ ई'
साडेमर कहाण्या (राज० सा० अकादमी, ३-०० उदयपुर, १९७१ ई')
नैणों लुट्ठो नीर-कहाण्या (प्रकाशक शिवदान राम प्रह्लाद राम, बोहरा
पूलामर. ८-००, २०३७ डि०)
- ७ २-३ हिन्दी स्मारिकावां आद रो संपादन मधुमती, ओलमो, मरुवाणी.
हराजळ, जागती जोत, जळमभोम, मरु श्री भाद में कहाण्या, कवितावा,
गद्य काव्य एकांकी आद छप्पा ।
८. —
९. डालमिया पुरस्कार १९७४ अर पुष्पीराज राठोड़ पुरस्कार १९८०
मिल्या । आकाशवाणी सूँ रचनावां प्रसारित । नगर श्री, चूरु, हिन्दी
साहित्य संमद, चूरु अर राजस्थानी प्रचारिणी सभा, चूरु सूँ संबद्ध ।
चूरु जिला प्रौढ शिक्षण समिति रा सचिव, चूरु चित्राम रा संपादक, राज-
स्थानी भाषा साहित्य मगम (अकादमी) बीकानेर रो कार्य समिति
रा सदस्य ।
१०. बाहें संस्था २३. चूरु (राज०)
११. ऊपर मुजब

१. भवरदान कविया
२. बी. ए.
३. ई. २ १९५७ ई.
४. विराई चारणा री (जेरगढ-जोधपुर)
५. अध्यापन
६. —
७. अभयदूत गुचि, चारण आद पत्रिकावा अर शिक्षा विभाग र संग्रहां मे लेल,
कविता, एकाकी छप्या
८. फुटकर कवितावा, लेख आद
९. काव्य पाठ प्रतियोगितावा मे पुरस्कृत
१०. ठि. श्री जगमालदान कविया गाव पो बिराई (चारणा री), मोटल जां रो
वास, बाबा तिवरी ३४२३०६ (जोधपुर-राज.)
११. राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पो. सेलाला (बाबा सेतरावा-३४२०२५)
जिला जोधपुर (राज)

१. भवरलाल खंडेलवाल
२. एम ए., बी०एड०
३. १५-७-१९३६ ई.
४. जोधपुर
५. अध्यापन
६. हिन्दी पुस्तक 'फूल बना अंगारा है'
७. प्रेरणा, जनगण, चेरन प्रहरी आद मे रचनावा छपी ।
८. कुण्डलिया सतक, किरणों फूटी
९. अन्तर प्रान्तीय कुमार साहित्य परिषद जोधपुर सू' जुड़चोड़ा
१०. कागा तीर्थ, जोधपुर (राज०)
११. राज० उच्च प्राथमिक विद्यालय देवातड़ा (भोमालगढ-जोधपुर)

[१११]

१. भंवरलाल पाण्डेय 'प्रमोद'
२. साहित्य रत्न, कोविद
३. १०-८-१९२४ ई०
४. बिजोलियां (भीलवाडा—राज०)
५. खेती व उद्योग
६. भोला रो सही १९७५ ६.००
रूपां बावळी १९७८ ५.००
७. घण्टा पत्रां मे रचनावां छपी
८. पयिक रासी, रसभरी (बोनू प्रेस मे) कोई १५०० नंदा छन्द
९. बिजोलिया भान्दोलन के इतिहास की रूपरेखा (१९७२) में छपी
१०. पो. बिजोलिया (भीलवाडा)
११. ऊपर मुजब

[११२]

१. भंवरलाल 'विरागी'
२. संगीत वितारद
३. २-२-१९४८ ई. (लगभग)
४. सरदारशहर
५. संगीत ग्रन्थालय
६. 'बस्त की बात' १९६५ ई. हाथ ३.००
७. —
८. रीत की रायतो, भंवर बसीसी
९. —
१०. धमूणा बास, सरदारशहर (चूरू)
११. ऊपर मुजब

[११३]

१. भगवतीलाल व्यास
२. एम. ए. (हिन्दी), बी. एड., एम. एड.,
३. १०-७-१९४१ ई०
४. गिलूड (उदयपुर—राज०)
५. व्याख्याता
६. दो हिन्दी पुस्तकें—‘भूरज लीलती घाटियाँ’ और ‘शताब्दी निष्ठर है’
७. झोलमो, हरावल, डेलो, जागती जोत, जलमभोम आदि पत्रिकाओं में कविताओं और समीक्षाएँ
८. —
९. —
१०. ३२ फतहपुरा सारोल बस्ती उदयपुर (राज०)
११. व्याख्याता, लोकमान्य तिलक टीचर्स कालेज, उनोक (उदयपुर)

[११४]

१. भगवानदास किराडू ‘नवीन’
२. एम. ए., पी. एच. डी
३. १२-६-१९४६ ई०
४. बीकानेर
५. अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, एन. एस. पी. कालेज, बीकानेर
६. ‘बीकानेरी प्रत्यय’ और ‘प्रत्यय और वाक्य विन्यास’
राम राम सा (कहाणी संग्रह)
७. जागती जोत, शिविरा, विश्वंभरा, चेतना मे रचनाओं छपी
‘दशकुमार चरित’ की राजस्थानी अनुवाद
८. ‘विश्रुत चरितम्’—राजस्थानी अनुवाद
‘मध्यम व्यायोग’—(भक्तो)
‘अठ सू बडे’—(कहाणी संग्रह)
‘काई कऊ इया ने’—(निबंध संग्रह)
‘मारवाड का अधिधान अनुशीलन’—(शोध प्रबंध)
९. —
१०. ठि० प० गिरधरलाल जी किराडू, साले की होली, बीकानेर
११. ऊपर मुजब

[११५]

१. भाग्यरेखा बोहरा
२. सैकेन्दरी
३. १४-७-१९५५ ई०
४. चदपपुर (राज०)
५. —
६. —
७. जागती जोत छोट पत्रिकावां में फुटकर रचनावा छपी
८. समाजवाद, अणामणियोमन
९. —
१०. ठि० श्री रामचन्द्र बोहरा, बोहरा बास, निम्बो जीवा (नागौर)
११. ऊपर मुजब

[११६]

१. मानसिंह शेखावत
२. बी. ए.
३. उमर लगभग २७ बरस
४. सदमणगढ़ (सीकर—राज०)
५. पुलिस इन्स्पेक्टर
६. हलदीपाटी रो गीरव—साहित्य परिषद—१९८२ सदमणगढ़ ५/-
७. मध्याणी, सपनाक्ति घर दूजी पत्रिकावां मे छपी
८. —
९. पुलिस जीवन रो रोमांचक कथावां लिखी
१०. ठि० साहित्य परिषद, सदमणगढ़ (सीकर—राज०)
११. एसिस्ट इन्स्पेक्टर, पुलिस, कोटा (राज०)

[११७]

१. भीखालाल व्यास
२. एम. ए., बी. एड.
३. १-७-१९४६ ई.
४. सांडप (बाड़मेर-राज.)
५. अध्यापन
६. —
७. झोलमो, जागती जोत आद मे छापी "चेतै रा खितराम" संकलन में कहाणी छपी ।
८. वरदान (कहाण्यां)
९. कई प्रतियोगितावां में पुरस्कृत
१०. पी सण्डप (बाड़मेर-राज.) ३४४०३६
११. सहायक अध्यापक राज. माध्यमिक विद्यालय, अजीत (बाड़मेर-राज)

[११८]

- १ भूरचन्द जैन
- २ इण्टरमीडिएट
३. १०-७ १९३० ई.
४. सिहाणी (बाड़मेर-राज.)
५. सरकारी सेवा
६. जय सोमनाथ (महेश्वर प्रकाशन, बाड़मेर, १९७२) बाड़मेर दर्शन (महेश्वर प्रकाशन १९७४) परशुराम महादेव (विश्वतार प्रकाशन, १९७७ माली महेश्वर के कविरत्न (हिंकर प्रकाशन, बाड़मेर, १९७२ घर दूजी १९ भात-भात री पोथ्यां राजस्थानी
७. करीब तीन सौ नैड़ा राजस्थानी-बार रे अंडे गैड रचनावां छपी
- ८ दस पोथ्यां गया में कर्नाटक-का मेर मेला, हमारा बाड़मेर, राजस्थान के जैन तीर्थ घर दूजी सात पोथ्यां है ।
९. बाड़मेर साहित्य संस्थान अंतर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद् घर दूजी अनेक सामाजिक संस्थावां सँ संबद्ध प्रतियोगितावां में पुरस्कृत अर राज सँ योग्यता पुरस्कार प्राप्त ।
१०. जूनी चौकी रो बास, बाड़मेर (राज.)
११. उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, (प.क.) कार्यालय बाड़मेर (राज.)

[११६]

१. भोजराज सोलंकी
२. मैट्रिक
३. १. ७. १९४८ ई.
४. श्री डूंगरगढ़ (चूरु-राज.)
५. प्रध्यापन
६. —
७. जागती जोत, वर्तमान, नवज्योति, युगपक्ष आदि पत्र में छपी
८. 'विखरपा सुर' (कविता संग्रह)
९. सदस्य, राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्री डूंगरगढ़
१०. भादसर बास, श्री डूंगरगढ़ (चूरु-राज.)
११. ऊपर मुजब

[१२०]

१. डॉ. मदन केवलिया
२. एम. ए. (हिन्दी), एम. ए. (अंग्रेजी), बी. एड., साहित्यरत्न पी. एच. डी.
३. १५-१-३५ ई.
४. स्थान-डेरा इलाइल्ला (पाकिस्तान)
५. प्रध्यापन
६. रचनाएं—
१. सहक का दिल (कहानी संग्रह), सूर्य प्रकाशन, बीकानेर १२)–
२. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र की भूमिका (प्रालोचना) अनुपम प्रकाशन, जयपुर ३५)
३. सम्बंधों के समुदाय, (नाटक), सहिता प्रकाशन, बीकानेर १२)
४. पं. सूर्यकरणी पारीक (मम्पादित) निबंधावली, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर
- 'जीत हमारी है' (काव्य) राजस्थान के कवि (काव्य), राजस्थान के कहानीकार (कहानी संग्रह), निबंध नवनीत (निबंध संग्रह) आदि में रचनावा संकलित ।
७. धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, दैनिक हिन्दुस्तान, मधुमती, सारिका, आदि में हिन्दी रचनावा छपी ।
- 'जागती जोत' आदि में रचनावा छपी । राजस्थानी भाषा साहित्य संगम मूँ छापण खातर 'खोल' कहानी संग्रह स्थोद्धृत ।
- प्रकाशवाणी मूँ हिन्दी, उर्दू, राजस्थानी में रचनावा प्रसारित ।
- ८.
१. राजस्थानी साहित्य अकादमी की सरस्वती घर संचालिका रा भूतपूर्व सदस्य
२. राजस्थान विश्वविद्यालय (जयपुर) की सीनेट रा भूतपूर्व सदस्य ।
३. पत्नी संस्थावा रा सदस्य घर कार्यकर्ता
९. शोध निर्देशक—
१०. वर्तमान पत्नी—ध्याख्याता डूंगर कॉलेज, बीकानेर
११. डा. मदन केवलिया पार्वती सदन, कोटवेट, बीकानेर-३३४००१

[१२१]

१. मगरचन्द्र दवे
२. एम. ए., बी. एड.
३. १६ ए. १६४८ ई.
४. घरणेराव (पाली-राज.)
५. स्रष्टा
६. —
- किविरा पत्रिका भर स्थानीय छापा में छपी ।
८. पहला पहला बोल (काव्य)
९. —
१०. घरणेराव (पाली-राज)
११. राज मा. विद्यालय, हरजी (जालोर)

[१२२]

१. मदन सैनी
२. बी. कॉम
३. ३. १. १६५८ ई.
४. श्री डूंगरगढ़ (चूरु-राज.)
५. स्रष्टा
६. —
७. राजस्थानी, वर्तमान, विवेक विकास, बात भर आद में छपी भर आकाश-वाणी सूँ कविता-पाठ करचो ।
८. राष्ट्र भाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्री डूंगरगढ़ रा सदस्य
१०. बजरंग बाइस फैक्ट्री, श्री डूंगरगढ़ (चूरु-राज) ३३१८०३
११. ऊपर मुजब

[१२३]

१. मनोहर
२. बी. ए.
३. ३-१-१९५२ ई०
४. तोगड़ा (भू०भू०—राज०)
५. अध्ययन
६. —
७. द्दतवारी पत्रिका आद में छपी
८. फुटकर रचनावाँ
९. गायत्री मे पुरस्कृत
१०. पो० तोगड़ा कला (भू०भू०—राज०)
- ११ ऊपर मुजब

[१२४]

१. मनोहरसिंह राठीड़
२. बी. ए.
३. १३-१७-१९४८ ई०
४. गांव पो० तिलाणोस (नागौर)
५. टेक्नीसियन, रिसर्च (तकनीकी) विभाग, केन्द्र सरकार, पिलाणी ।
६. —
७. संधशक्ति, नैलसी, जागतीजोत, बिजजारी आद में रचनावाँ छपी
८. बहाणी घर कविता संध
९. —
१०. गांव पो० तिलाणोस (बाया डेगाणा जंक्शन—नागौर—राज०)
११. जी. ५१. सीरी कॉलोनी, पिलाणी (राज०)

[१२५]

१. महावीर प्रसाद जोशी
२. साहित्याचार्य, आयुर्वेदाचार्य, साहित्य प्रवीण. काव्यतीर्थ काव्यकलानिधि
३. १९-८-१९१४ ई०
४. इन्द्राद (भुंभुं—राज०)
५. चिकित्सा
६. विन्दावन (काव्य) घर पाच हिन्दी पोष्या
७. जागती ज्ञात आद पत्रों में छपी
८. इंदिया रा दूहा, निनाए (काव्य)
९. नगर पालिका रा अध्यक्ष रंया, मोहता कलिज प्रवध समिति रा उपाध्यक्ष, रजतपदक प्राप्त, राजस्थान साहित्य अकादमी सूँ पृथ्वीराज राठीइ पुरस्कार सूँ सम्मानित
१०. श्री मोहता दातव्य औपचालय, राजगड़, पो० सादुलपुर—३३१०२३ (चूक—राज०)
११. ऊपर मुजब

[१२६]

१. महेशकुमार श्रीपत
२. हायर सेकेन्डी
३. ११-८-१९५८ ई०
४. जंसलमेर (राज०)
५. सरकारी नौकरी
६. —
७. कवितावाँ, रेखाचित्र, लेख आद छप्या ।
८. —
९. सदस्य, अन्तर प्रातीय कुमार साहित्य परिषद
१०. सिधवी स्ट्रीट, जंसलमेर—३४५००१
११. ऊपर मुजब

[१२७]

१. माणक चन्द नाहर
२. एम. ए.
३. —
४. माइलापुर (मद्रास)
५. व्योपार
६. —
७. महवाणी भाद पत्रां मे छपी
८. —
९. सभापति, सेठ वरतावर रिसर्च इन्स्टीट्यूट सभापति, लायन्स क्लब मलन्दुर (३२४ ए. डिस्ट्रिक्ट, ३ जान I) १९७७ में वर्ल्ड वैजिटेरियन कांग्रेस (२५ वी) रा संयोजक; भारतीय हिन्दी परिषद् घर दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा रा सदस्य इत्यादि ।
१०. १/१२ बाजार रोड़, माइलपुर, मद्रास ६०० ००४
११. ऊपर मुजब

[१२८]

१. मिठ्ठालाल देसरला (काका भीम)
२. साधारण
३. पागण मुदी, १४. १९८२ बि. (१०२५ ई.)
४. भीम उदयपुर
५. व्योपार
६. —
७. पत्र-पत्रिकावां घर 'मिनगाजूण रो मोन' नांव रा संकलन
८. —
९. राजस्थान साहित्य चिंतन परिषद्, भीम गूं जुडेडा
१०. पो. भीम उदयपुर-राज.
११. ऊपर मुजब

[१२६]

१. मिश्रीलाला पंवार
२. इण्टरमीडिएट
३. १६-१२-१६५१ ई.
४. जोधपुर
५. निजु व्यवसाय
६. रंगीला कागण—हिन्दुस्तान प्रिंटर्स—१६७६-१.२५ संत सिरौमणी पीपाजी
पीपा प्रकाशन १६७५ २.००
७. धर्ममुग, इतवारी पत्रिका, राष्ट्रदूत, नवज्योति, हिन्दुस्तान, मापुरी, बंदा
मामा, जलते दीप आदि अनेक छापा मे हिन्दी राजस्थानी रचनावां छपी ।
८. —
९. संवाददाता भर प्रतिनिधि रो काम करै ।
१०. ठि बाबूलाल पवार भित्तिवां रो बास, पटेल चौक, जोधपुर, ३४२००१
११. ऊपर मुजब

[१३०]

१. मीठानाथ—मीठेश 'निर्मोही'
२. बी. कॉम.
३. ३०. ६. ५४ ई.
४. पो राजोला खुर्द बाया सोजत रोड-पाली
५. राज्य सेवा
६. —
७. जायती जोत आद अनेक पत्रा में छपी
८. —
९. —
१०. पो. राजोला खुर्द (बाया सोजतरोड-पाली-राज.)
११. ऊपर मुजब

[१३१]

१. मोठानाल खत्री
२. बी. ए.
३. १३-११-१९४६ ई०
४. सिरोही (राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. कवितावां भर कहाण्यां अनेक पत्रों में छपी
८. —
९. अन्तर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद् का सदस्य
१०. बानीसेन, सिरोही (राज०)
११. राजकीय प्राथमिक विद्यालय मांडवाव, जालोर (राज०)

[१३२]

१. मुकुट मणिराज
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. १२-४-१९४४ ई०
४. गांव धनवा (दीगोद—कोटा—राज०)
५. —
६. —
७. पत्र-पत्रिकाओं में गीत, वक्त्र, कविता छप्पा
८. घोळमो नाँव री पोषी
९. प्रचार मंत्री, कचनार, अणहूद सीकर्मण, घंटा (कोटा)
१०. पो० धनवा (दीगोद—कोटा)
११. कमरा १७, रघुनाथ छात्रावास, नवानुरा, कोटा (राज०)

[१३७]

१. मोहम्मद सदीक
२. एम. ए. (अंग्रेजी); बी. एड.
३. ११-८-१९३७ ई.
४. धूरू (राज.)
५. प्रधान सम्पादक
६. जूभली जूरा (काव्य)
७. जामली जेत घर शिक्षा विभागीय प्रकाशना में छपी
८. —
९. —
१०. डि श्री जमालसा भाटी, शंकर भवन री पीछे, राणी बाजार,
बीकानेर-३३४००१
११. ऊपर मुजब

[१३८]

१. मोहन दान बारठ
२. श्री नाथू दान जी बारठ
३. दसवी पास
४. माहेश्वरी मेवक 'वाणी' जोळमा सादि पत्रिकाओं में
५. व्यापार
६. मोहन दान बारठ भिरजेवाला—(मयानगर)

[१३६]

१. रघुनंदन त्रिवेदी
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. १७. १. १९५५
४. जोधपुर
५. राजकीय सेवा
६. —
७. जागती जोन, अपरंच, मधुमती आद में छपी
८. किरणा (कविता संग्रह)
९. —
१०. चांदपोछ, चौक, जोधपुर (राज.) ३४२००१
११. ऊपर मुजब

[१४०]

१. रघुराजसिंह हाडा
२. एम. ए. बी. एड.
३. ३१. ३. १९३३ ई.
४. गांव चमलासा (खानपुर-भालावाड़)
५. अध्यापन
६. धूपरा—अर्चना प्रकाशन, अजमेर-१९६६ १/-
 अणुवांघ्या आखर " २/५०
 हरदील " १९७५ १/६०
 आमल खीवर " १९७३ १/५०
 फूल देगूला फूल राज. सा. अकादमी १९७६ ६/५०
 (हिन्दी री भी चार पोथ्या छपी है)
७. मरवाणी आद पत्री मे कविताओ भर लेख छप्या
८. दो हिन्दी पोथ्या
९. सदस्य, राजस्थान साहित्य अकादमी रह्या महामंत्री, भवानी रंगमंच,
 भालावाड़ ।
१०. गांव चमलासा; पो. सायफल सहदील खानपुर (भालावाड़-राज.)
११. हाडा सदन, भालावाड़ (राज)

[१४१]

१. रमेशचन्द्र शर्मा 'इन्दु'
२. बी. ए., बी. एड.
३. २२-६-१९४५ ई०
४. पो० लोह (मदमगढ़—मलवर—राज०)
५. अभ्यापन
६. —
७. शिखा विभागीय प्रकाशनों में छपी
८. 'कैवर्ता री कहलियां' (टावरा स्यू')
९. —
१०. पो० लोह (बाया रीनी नाथान—मलवर—राज०)
११. राजकीय स प्रा विद्यालय, पो. लोह (बाया रीनी नाथान—मलवर—राज०)

[१४२]

१. रमेश बोराला
२. बी ए, एल. एल बी.
३. १०-५-१९४५ ई०
४. जोधपुर
५. समाज सेवा
६. —
७. जागती जीव आद पत्रिकावा में रचनावा छपी है।
८. —
९. राजस्थानी मे १०-१२ नाटक मंच पर खेल्या हैं। दीपशिखा नांव री छार्ट सोसाइटी री स्थापना करी हे।
१०. बोराला भवन, जालोरी रोड रै माय, जोधपुर—३४२००१
११. ऊपर मुजब

[१४३]

१. रमेश 'मयंक'
२. बी. एल. सी., बी. ए. (अंग्रेजी), बी. एड.
३. २३-१२-१९५४ ई०
४. चित्तौड़गढ़
५. अध्यापन
६. —
७. जागती ज्योत, मधुमती, सलकार, झोलमो, म्हारोदेस आद छापा में छपी
८. जस (कवितावा) भर हिन्दी रो दो पोथ्यां
९. महामंत्री, साहित्य भारती, चित्तौड़गढ़, आकास्वाणी सू' रचनावां रो प्रसारण
१०. बी. ए., मीरानगर, चित्तौड़गढ़ (राज०) ३१२००१
११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पो० झारनी (चित्तौड़गढ़—राज०)

[१४४]

१. राघव प्रकाश
२. एम. ए. (हिन्दी), डिप्लोमा भाषा विज्ञान;
३. ८-७-१९४७ ई०
४. गांधी दीपपुरा (अमवारामगढ़—जयपुर)
५. प्राध्यापक, सहृदय महाविद्यालय, कालाढेरा (जयपुर)
६. सीमरो मघान (नाटक) १९७९ १.५० हिन्दी में 'सीमरा मघान' भर दूजा कई नाटक लिख'र छपयाया
७. जागती ज्योत आद पत्रों में छपी
८. 'वाचस्पत्य एवं भारतीय साहित्य शास्त्र में शैली वैज्ञानिक व्यवधारणायें—एक तुलनात्मक अध्ययन' (शोध प्रबंध)
९. नाटकां में विशेष रुचि
१०. सीताराम जी रं मंदिर रं सामें, दुर्गापुरा, जयपुर (राज०)
११. ७-सी, महारानी कॉलेज स्टाफ क्वार्टरमें, जयपुर—३०२००४

[૧૪૫]

૧. ડા० રાજકુપ્પા દુગડ
૨. એમ. એ. (હિન્દી, અર્થશાસ્ત્ર), એલ. એલ. બી. સાહિત્યરત્ન, પી. એચ. ડી.
૩. ચનેહા (ખોલવાહા)
- ૪ ૧૩-૭-૧૯૨૪ ર્દ૦
૫. રીઢર, હિન્દી વિભાગ, ઝોધપુર વિશ્વવિદ્યાલય
૬. 'કવિયા કરણીદાન ઓર સૂરજપ્રકાશ, પ્રમાત પ્રકાશન, ઝોધપુર, ૧૯૭૭-૪૦/-
કવિયા કરણીદાન અધિકૃતિય નૈ કૃતિય, પ્ર. પ્ર. ઝોધપુર, ૧૯૭૬-૧૦/-
૭. જાગતી ઝોત, મઝમિકા, મહાભારતી પ્રાદ મે નિવંધ અર પ્રાલોચનાશા છપી
૮. રાજસ્થાની ધીર કાવ્ય રો રૂતિહાસ
૯. —
૧૦. પો० ચગઢી નગર (પાલી—રાજ૦)
૧૧. રીઢર, હિન્દી વિભાગ, ઝોધપુર વિશ્વવિદ્યાલય, ઝોધપુર

[૧૪૬]

૧. રાજેન્દ્ર વોહરા
૨. એમ. એ. (રાજનીતિ શાસ્ત્ર), બી. એડ.
૩. —
૪. સોજત રોઢ (પાલી—રાજ૦)
૫. કાર્યક્રમ અધિકારી, પ્રાકાશવાણી, ઝયપુર
૬. —
૭. હરાવલ, હેતો, જાગતી ઝોત પ્રાદ પત્રા મે છપી હૈ !
૮. રાજસ્થાની કાવેતાવા રો સમ્ર
૯. —
૧૦. ૬૬, પૈલી પોલો, પાવટા, ઝોધપુર
૧૧. પ્રાકાશવાણી, ઝયપુર

[१४७]

राजेन्द्र राजपुरोहित

एम. ए. (इतिहास)

१५-७-१९५८ ई०

खाटण (वाहमेर-राज०)

प्रवक्ता, हुंगर कॉलेज, बीकानेर

-
७. अनेक पत्रों में रचनाओं छद्म
-
८. राजस्थानी साहित्य अकादमी नूँ नवीन प्रतिभा पुरस्कार प्राप्त (१९७७)
९. खाटण (वाहमेर-राज०)
१०. हुंगर कॉलेज, बीकानेर

[१४८]

१. रामकरण 'स्नेही'

२. टी. बी. सी. (प्रथम वर्ष)

३. २-१-१९३५ ई०

४. कोटा (राज०)

५. कनिष्ठ लेखाकार, कलेक्ट्रेट, कोटा

६. —

७. पचास नैदी रचनाओं अनेक छापां में छद्म

८. —

९. भारतेन्दु समिति कोटा रा प्रबंध मंत्री (१९७४-७६)

सचिव, कवि परिषद् (१९७६-७८)

सदस्य " (१९७८-८०)

१०. नयापुरा छाई रोड पावर हाउस के पास, जबकी वाला भवन, कोटा (राज०)

११. ऊपर मुखब

[१४६]

१. रामकुमार
२. एम. ए. (अंग्रेजी), पत्रकारिता से स्नातकोत्तर डिप्लोमा
३. ११-८-१९३८ ई०
४. गांव—हरियाज्जण (नागौर—राज०)
५. जनमपकं अधिकारी, इन्स्ट्रुमेंटेशन लि०, कोटा (राज०)
६. —
७. हिन्दी, राजस्थानी और अंग्रेजी में देस से अनेक पत्र-पत्रिकाओं में लिखें
८. —
९. 'रंगयात्रा' गांव सूँ हिन्दी पोथी १९७८ में छपी (१०.००)
सदस्य, राजस्थान सलितकला अकादमी, चामल साहित्य समिति, सप्त-
शृंगार, रंगबोध, हिन्दी राज भाषा समिति (इन्स्ट्रुमेंटेशन) आदि
१०. डि० श्री फूलचन्द तिवारी, गांव पो० हरियाज्जण बापा कुचामण सिटी
(नागौर—राज०)
११. ४३ मी, इन्स्ट्रुमेंटेशन टाउनशिप, कोटा—३२४००५ (राज०)

[१५०]

१. रामकृष्ण व्यास 'महेन्द्र'
२. एम ए, पी. एच. डी.
३. ८-११-१९४६ ई०
४. बीकानेर
५. व्याख्याता, हिन्दी विभाग
६. नामपद; क्रियापद; बीकानेरी बोली का भाषा शास्त्रीय अध्ययन; हिन्दी
और राजस्थानी भाषा का तुलनात्मक अध्ययन; प्रत्यय और वाक्य विन्यास
७. 'द्वैवारिकी' पत्रिका में निबंध
८. रोहिडै रा फूल (उपन्यास) राजस्थानी का उद्भव और विकास
(डी लिट्रो शोध प्रबन्ध), म्हारा गिरधर गोपाल (नाटक)
नैणसी से स्थापित से भाषा शास्त्रीय अध्ययन
गीतांजली (राजस्थानी अनुवाद)
९. —
१०. व्यास भवन, नत्थूसर गेट रें मांय, बीकानेर
११. ऊपर मुजब

[१५१]

१. रामचन्द्रसिंह दहिया
२. मैट्रिक
३. १६-६-१९०८ ई०
४. डीसा कैम्प (गुजरात)
५. सेवा निवृत्त (फोर्जी सेवा)
६. —
७. आकाशवाणी जोधपुर सू० प्रसारित भर पत्रों में रचनाओं छपी
८. —
९. सांस्कृतिक अध्ययन में रुचि
१०. १२२, माध कीलोनी, भीनमाल (जालोर—राज०)
११. मोदरा स्टेशन, मोदरा (जालोर—राज०)

[१५२]

१. रामजीलाल कल्याणी
२. बी. कॉम; राजस्थानी साहित्य विचारद
३. १२-७-१९४४ ई०
४. बिसाऊ (भूँभणू—राज०)
५. व्यापार
६. —
७. माहेश्वरी मेमक, जायती जीत भाद पत्रों में छपी
८. —
९. मंत्री, तरुण साहित्य परिषद्, बिसाऊ
१०. बिसाऊ (भूँभणू—राज०)
११. ऊपर मुखब

[१५३]

१. रामनिवास सोनी
२. बी. ए. साहित्य रत्न
३. ३०. ११. १९२२ ई.
४. डोहवाणा (नागौर-राज.)
५. लेखन—सेवा निवृत्त शिक्षक
६. बापू दोहावली—ललित कला संस्थान-काव्य-१९५६ १/-

डोहवाणा

पर्यायवाची दोहावली	"	"	—१९६० १/-
जीवन शतक	"	"	१९५८ २/-
पद्यमय व्याकरण	"	व्याकरण	१९६० ०/५०
पचास पटाका	"	(हास्य काव्य)	१९७६ २/-

७. प्रेरणा वीणा, नया शिक्षक, धोलमो, प्रजा सेवक भाव छापा मे कवितावां छपी
८. घरती रा गीत, मतवाली मीरा (काव्य)
९. —

१०. रामनिवास रूपचंद सोनी बैगाणी बास, पी. साबनू (नागौर)
११. भगतजी की पोछ, पो. मेड़ताणहर (नागौर)

[१५४]

१. रामपाली भाटी (श्रीमती)
२. प्रभाकर, साहित्यरत्न; एम. ए. (हिन्दी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, समाज शास्त्र), बी. एम. टी. सी.
३. ६-६-१९२६ ई.
४. जयपुर
५. साहित्य सेवा
६. चारमासा-रमा प्रकाशन-१९५२ २-०० (बास कवितावां)
७. धर्ममुग, पराग, सरिता, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, भाजकस भाद मनेक पत्रां मे छपी ।
८. कंणावत कोस (१०,००० कंणावतां रो संग्रं) राजस्थानी लोकगीत (४०० गीत)
९. भाकाणवाणी सून कोई ३५० नैडी रचनावां प्रसारित
१०. ५९२, माटी भवन, सादूलसिंह की नाछ, चौकडी सरहद जयपुर ३०२००१ जयर मुजब

[१५५]

१. डॉ. रामस्वरूप व्यास
२. एम. ए. (हिन्दी); पी. एच. डी.
३. —
४. जायल (नागौर)
५. वरिष्ठ अध्यापक
६. स्वातन्त्र्योत्तर राजस्थानी गद्य साहित्य १९७६-५०/—
७. एकांकी, निबंध, कहानियाँ 'छोछमो' घर विभागीय संव्रलना में छपी ।
८. राजस्थानी भासा रा घटारवां एकांकी उटव त्रिसत्ती (छंदबट)
९. —
१०. जायल (नागौर-राज.)
११. राजकीय छोटवाल उ. मा. विद्यालय अजमेर (राज.)

[१५६]

१. रूपसिंह राठीड़
२. बी. ए.
३. १-६-१९४३ ई.
४. मेपाणा धी मंगानगर-राज.
५. अध्यापन
६. —
७. 'अकियारी' बीकानेर घर शिखा विभाग रा संकलना—'संस्करण' घर 'कोरणी कमम री' आद में कबितायां कहाण्यां छपी ।
८. फुटकर रचनायां
९. —
१०. विनय भुटीर, गारिया. पी. बागवासीराम बाया घसछीतर (मू'भनू') १११०७५
११. राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पी. बास वासीराम (मू'भनू'-राज)

[१५७]

१. डॉ० रामाकृष्ण व्यास 'महेन्द्र'
२. एम. ए. (संस्कृत) एम. ए. (हिन्दी) एम. ए. (संगीत) पी. एच. डी.
डी. लिट् (राजस्थान विश्वविद्यालय से पंजीकृत)
३. ८-११-१९४६ ई०
४. बीकानेर (राज०)
५. अध्यापन (ध्यास्याता)
६. १. प्राधुनिक हिन्दी साहित्य : गणेश शक्ति प्रकाशन (शोध प्रबंध) ३५/-
२. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक इतिहास : गणेश शक्ति प्रकाशन ३०/-
३. नामपद (लघु-शोध-प्रबंध) : " १२-५०
४. क्रियापद : " "
५. प्रत्यय और वाक्य विग्रह " २२-००
६ हिन्दी और राजस्थानी का तुलनात्मक राज प्रकाशन
अध्ययन (फलोदी) ४०-००
७. ये क्षण वेक्षण (कविता संग्रह) गणेश शक्ति प्रकाशन १२-५०
८. म्हारा ती गिरधर गोपाल - कामधेनु प्रकाशन १५-००
(ऐतिहासिक राजस्थानी नाटक)
९. बीकानेरी बीली का भाषा शास्त्रीय अध्ययन
गणेश शक्ति प्रकाशन २५-००
७. जागती जोत, विश्वभरा, सेनाए, चितारणी, पुष्करणा संदेश, वैचारिकी
प्राद मे राजस्थानी हिन्दी कवितावा, कहानियां, समीक्षावां छपी
८. i. आकाशवाणी सू' अनेक वाक्तावा प्रसारित , ,
ii. नाट्य मंचन, लेखक घर निर्देशन , ,
iii. अनेक समारोहा रो मंचालन , ,
iv. चित्रपट कथा लेखक , ,
v. दू गर महाविद्यालय सू' सर्वथेष्ठ छात्र रो पुरस्कार
vi. भन्तः विश्वविद्यालयीय कुशती. शतरंज प्रतियोगिता में प्रथम
vii. १९७० में राजस्थान विश्वविद्यालय शतरंज घर कुशती टीमां रा कप्तान

- viii. अनेक सामाजिक संस्थाओं का सदस्य
 ix. प्रसिद्ध भारतीय वेद प्रचार महासभा का मानद अध्यक्ष
 ६. (i) प्रबंध संपादक जागती जोत
 राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (भकादमी), बीकानेर
 (ii) संपादक
 कल्पवृक्ष
 (राजस्थानी-हिन्दी-अंग्रेजी की त्रैमासिक पत्रिका)

१०. उप सचिव,
 राजस्थानी भाषा साहित्य संगम, नागरी मंडार, बीकानेर
 ११. डॉ. रामकृष्ण व्यास 'महेन्द्र'
 व्यास भवन, नरसूर गेट के मन्दर, बीकानेर

[१५८]

१. डा० लक्ष्मी कमल
 २. एम. ए. (हिन्दी), पी. एच. डी., डिप्लोमा जर्मन भाषा, संगीत विहारद
 ३. १-७-१९४३ ई०
 ४. वृन्दावन (मयुरा—उ. प्र.)
 ५. प्रवक्ता, हिन्दी विभाग, ज्ञान विज्ञान महाविद्यालय, बनस्पली
 विद्यापीठ (राज०)
 ६. राजस्थानी लोकगीत बिहार-थी राममेहरा एण्ड कंपनी, आगरा १९७१
 भाग १
 राजस्थानी गद्य : विकास और प्रकाश-भाग १ १९७२
 और सबसई (संवाद) इन्दिया बुक हाउस —
 राज. मा. प्र. समा १९७६
 राजस्थानी व्याकरण भाग १ जयपुर
 (संवाद)
 ७. राजस्थान भारती, महाराष्ट्री, जोष पत्रिका, बरदा, विरयंमरा, वैचारिकी,
 भाषा. जागती जोत आद छापा में लोक साहित्य, भाषा विज्ञान आद पर
 रचनाओं छपी
 ८. —
 ९. राजस्थान साहित्य अकादमी की सदस्या रंघी
 १०. राधानिवास, वृन्दावन (मयुरा—उ० प्र०)
 ११. १९, रवोन्दु निवास, बनस्पली विद्यापीठ (राज०)

१. लूणकरण 'विद्यार्थी'
२. एम. ए. (हिन्दी, संस्कृत); साहित्य रत्न; साहित्यालंकार;
प्रभाकर आनन्द
३. १-१-१९२७ ई
४. सरदारगढ़ (चुरू-राज.)
५. अध्यापन
६. गावड़िये रा गी—बाया सेवा सहन—नि: शुल्क
महासती नारायणी चालीसी: कुमकुम प्रकाशन-०-२५
भवतराज सेन " ०-४०
विगुल घातगीत " २-००
७. फुटकर रचनायां अनेक पत्रिकावां मे छरी
८. कुण्डलिया मत्तसई; दहेज री उवाळा मे एकाकी; देशद्वीही नाटक
९. हिन्दी विद्यापीठ अर साहित्य समिति रा संस्थापक
१०. सरदारगढ़ चुरू-राज.
११. ऊपर मुजब

१. लक्ष्मी नारायण रंगा
२. एम ए. हिन्दी
३. ४ फरवरी १९३४-धीकानेर
४. मुख्य अनुवादक (प्रकाशन) भाषा विभाग राजस्थान, जयपुर
५. १. एक घर अपना नाटक, २. रक्तबीज नाटक ३. संस्कृति कला और
नाटक, ४. तोड़ छानो मे जबरी नाटक ५ हम नही बयेंगे कहानियां
हम नही छोड़ेंगे-कहानिया, ७. दहेज का दान कहानिया, ८. टमरक दूँ-
राजस्थानी बाल कथाएं ९. हरिया सूवाटया राजस्थानी भासा माय
काण्वा प्रकाशन १९८१ मे प्रकाशक-राजस्थान प्रकाशन जयपुर
पुनीन " "
मरघर " "
अरिहन्त " "
६. अखिल भारतीय स्तर की पत्र पत्रिकाओ आकाशवाणी जयपुर से राजस्-
थानी व हिन्दी मे नाटक, कहानी, कविता तथा वार्ता प्रकाशन-प्रसारण
७. रंगमंच का २५ वर्ष का जुड़ाव तथा बाल रंगमंच पर विशेष काम
८. डी १७७ ए, भुगुमार्ग पारीक कालेज के सामने, कान्तिचन्द रोड,
दलीपार्क जयपुर

[१६१]

१. वासु आचार्य
२. एम. ए. बी. एड.
३. ११. १. १६४४ ई.
४. बीकानेर
५. अध्यापन
६. —
७. जामती ज़ोत, मधुमती घर दूजां पत्रां मे खरी
८. —
९. —
१०. बाहेनी चौक, बीकानेर
११. ऊपर मुजब

[१६२]

१. विक्रमसिंह गुन्दोज
२. एम. ए. बी. एड.
३. ११. ४. १६५४ ई.
४. गुन्दोज (माली)
५. सर्वेक्षक राजस्थानी गोश संस्थान. बीकानरी (जोधपुर)
६. —
७. मंथजकिन, परम्परा, मरुभूमिका, जलतेदीप, राजस्थान पत्रिका, शिविरा
याद पत्रां मे खरी
८. माछा रा मल्ला
९. भाषाजबानी गूँ यातबिां प्रसारित करे
१०. गाँव पो. गुन्दोज (पाली-राज.)
११. सर्वेक्षक, राजस्थानी गोश संस्थान, बीकानरी, जोधपुर (रा

[१६३]

१. विजय सिंह लोढा
२. एम. ए., बी. एड.; धर्मरत्न; आर. डी. एल. (लंदन)
३. १. ७. १९३८ ई.
४. निम्बाहेडा (चित्तोड़-राज.)
५. अध्यापन
६. गांधी दर्शन और शिक्षा पर हिन्दी में पोथी लिखी
७. शिक्षा विभागीय प्रकाशनों में हास्य रचनाओं और टावरों का छापा में रचनाओं छपी ।
८. —
९. जिलास्तरीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त फोटोग्राफी में रुचि
१०. भजन्ता स्टूडियो, निम्बाहेडा (चित्तोड़) ३१२००१
११. राजकीय उ. मा. विद्यालय, निम्बाहेडा (चित्तोड़-राज.)

[१६४]

१. विद्यासागर शर्मा
२. एम. ए ; एल. एल. बी.; साहित्यरत्न; रुसी भासा में सर्टिफिकेट
३. ३. १२. १९४२ ई.
- ४ संगरिया (श्री गंगानगर-राज.)
५. व्याख्यात, राजनीति शास्त्र, राजकीय महाविद्यालय, श्री गंगानगर
६. —
७. झोळमो, जागती जोत आद में छपी
८. कविताओं से संग्रह
९. अध्यक्ष, साहित्य परिषद्, श्री गंगानगर
१०. शास्त्रीसदन, संगरिया (श्री गंगानगर)
११. १, के ब्लॉक, श्री गंगानगर (राज.)

[१६५]

१. विनोद कुमार कोठारी
२. हापर सेंकेडरी
३. १८-१२-१०६१ ई.
४. सादुलपुर
५. मध्यम
६. —
७. जागती जोत घाट छापा में छपी
८. —
९. —
१०. कुंदनमल हनुमान मल कोठारी. सादुलपुर (चूक) ३३१०२३
११. मोहता कलित, सादुलपुर (चूक)

[१६६]

१. विष्णुताल भट्ट
२. एम. ए (हिन्दी, अर्थ शास्त्र); साहित्य विभागाध्यक्ष;
पत्रकारिता में डिप्लोमा
३. १०. १०. १९४१ ई.
४. सीतामाऊ (मालवा-म. प्रदेश)
५. उद्दीपक, आकाशवाणी, उदयपुर (राज.)
६. —
७. कई पत्रिकाओं में लेख, कहानी घाट छप्या
८. पुटक
९. आकाशवाणी में कहानी, वार्ता रो प्रकाशन
१०. ४५६, भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)
११. ऊपर मुख

[१६७]

१. शंकरलाल सहल
२. एम. ए. (हिन्दी), बी. एड., पत्रकारिता में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा
३. २-१२-१९३८ ई०
४. नवलगढ़ (झूँझनू)
५. अध्यापन
६. —
७. राजस्थान पत्रिका, नवज्योति आदि पत्रिकाओं में रचनाओं छपी
८. 'बागों रो माझी' (काव्य) भर दो हिन्दी पोथियाँ
९. प्रचार मंत्री, 'सांस्कृतिक संबद्ध'न, नवलगढ़
१०. 'जलता विषयनाम' नाम की हिन्दी पोथी की विषयनामी भाषा में अनुवाद
अर विषयनामी समाचार पत्रों में प्रकाशन सहल सदन, नवलगढ़
(झूँझनू—राज०)
११. ऊपर मुजब

[१६८]

१. श्रीमती शकुंतला 'रेणु'
२. एम. ए., बी. एड., साहित्यरत्न
३. २४-६-१९२१ ई०
४. भालरावाटन (भालावाड़—राज०)
५. सेवानिवृत्त अध्यापिका
६. साहित्य प्रारम्भिका (गुजराती साहित्य की इतिहास), सती सीता, आश्रम
ज्योति, उत्तर की दीवार. रामराज्य, वेद स्तुति आदि पोथियाँ हिन्दी में
छपी
७. जागती जोत (राजस्थानी) अर हिन्दी की बीणा, सरस्वती, विशाल
भारत, वैश्वानर आदि पत्रिकाओं में छपी।
८. 'भूटभूट' नाम की कहानी संग्रह अर एकदज्जन दूजी हिन्दी कविताओं,
गीतिकाव्य, अनुवाद आदि की पोथियाँ
९. भारतेन्दु समिति कोटा अर दूजी कई साहित्यिक सस्थाओं से संबद्ध।
राजस्थान साहित्य अकादमी से सक्रिय सहयोग राशि प्राप्त
१०. नवरत्न सरस्वती सदन, भालरावाटन (भालावाड़—राज०)
११. ऊपर मुजब

[१६६]

१. श्रीमती शान्ता भानावत
२. एम. ए. (हिन्दी), पी. एच. डी.
३. ६-३-१९३६ ई०
४. छोटी सादही (रात्र०)
५. प्रिंसिपल, श्री वीर बातिका महाविद्यालय, जयपुर
६. महावीर री धोळसाण अनुपम प्रकाशन १९७५ ५.००
हिन्दी साहित्य की प्रमुख अनुपम प्रकाशन
कृतिया और कृतिकार १९६६ १५.००
७. जागती जोत, जिनवाणो, श्रमणोपासक आद पत्रिकावा में कहाण्यां घर निबंध छप्पा ।
८. एक राजस्थानी कहाणी संग्र
९. दोला मारू रा दूहा का अर्थ वैज्ञानिक अध्ययन सदस्य, संवादक मंडल, जिनवाणी घर श्रमणोपासक, रेडियो सू राजस्थानी कहाण्यां प्रसारित
१०. डि० डा० नरेन्द्र भानावत, सी २३५ ए. दामानंद मार्ग, तिलक नगर जयपुर—३०२००४
११. ऊपर मुखब

[१७०]

१. श्रीमती शांतिदेवी राधागोपाल जी पंडथा 'साधिका'
२. बिभारद
३. आगाड वडो १. मंथन १९७१ वि० (१९१४ ई०)
४. भानरा पाटन (आलावाड)
५. अवकाश प्राप्त छायापिका
६. —
७. बीकानेर सिदा विभाग रा सखहां मे घर दूजी कई पत्र-पत्रिकावा मे
८. ७०० नंदा राजस्थानी मञ्ज अर कविताया जया में सू कई पत्र घर हिन्दी रा भी है ।
९. —
१०. जयवीर महादेव रे सामे, पंडथा भवन, नाहरगढ़ रोड, जयपुर (रात्र०)
११. ऊपर मुखब

[१७१]

१. कुमारी शारदा एच. भटनागर
२. एम. ए., बी. एड., संगीत भास्कर
३. ११-७-१९४४ ई०
४. बीकानेर
५. अध्यापन
६. —
७. जागती जोत, संगीत, राजस्थान भारती भाद पत्रा में छपी
८. टाबरां री बातां; गांवां रो संगीत
९. नृत्य नाट्य ञर संगीत में वितेस हवि
१०. ठि० डा० एच. पी. भटनागर, पारसां रो चौक, बीकानेर (राज०)
११. ऊपर मुजब

[१७२]

१. शिव 'मृदुल'
२. एम. ए., (मर्थ शास्त्र, कंग्रेजी); बी. एड.
३. १३-७-१९४१ ई०
४. चित्तौड़गढ़ (राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. ललकार, मधुमती, झोलमो भाद पत्रा में अर 'बागा रा फूल' भाद संकलना में छगी ।
८. 'बरात रो नूतो' अर पांच हिन्दी री काव्य, कहाणी री पोथ्यां
९. महामंत्री. साहित्य भारती, चित्तौड़गढ़ अर आकाशवाणी सूे रचनावा रा प्रसारक
१०. बी. ८, भीरा नगर, चित्तौड़गढ़ (राज०)
११. राजकीय उ. भा. विद्यालय, चित्तौड़गढ़ (राज०)

[१७३]

१. श्याम लाटा
२. बी. कॉम., बी. एड.
३. ३०-५-१९५६ ई०
४. सरदारशहर (पूरु-राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. रास्ट्रदूत, ग्रमणोपासक, सरिता आदि पत्रों में छपी-लपकथावां, कवितावां लिखें
८. 'राखी पूनम' कहानियाँ
९. —
१०. मथुरा बाजार, सरदारशहर (पूरु)
११. ऊपर मुजब

[१७४]

१. श्यामसुन्दर भारती
२. स्नातक घर डिप्लोमा (शारीरिक शिक्षा)
३. १०-६-१९५० ई०
४. उदयपुर (राज०)
५. प्रवक्ता, शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, जोधपुर
६. —
७. धपरंघ, हरावळ, हेनो, जागती जोत आदि में छपी
८. बापरो (कवितावां), पनूरो (कहानियाँ), मंवरकी (उगम्यास), लो गजली, मुक्ता घर कबायां
९. हिन्दी घर उर्दू मे दो पोथ्या छपीं (दरं भरी गजसे १९७१; शारीरिक शिक्षा अधिक मनो विज्ञान एवं सिद्धांत १९८०)
१०. पतेहागर, जोधपुर-१६
११. ऊपर मुजब

[१७५]

१. डा० प्रयामा थोमाळी
२. एम. ए. (हिन्दी), पी. एच. डी.
३. २४-३-१९३६ ई०
४. उदयपुर (राज०)
५. अध्ययन
६. —
७. घरदा, विश्वंभरा, शोध पत्रिका, लोकनिधि, जागती ज्योत, रंगायन आदि पत्रिकाओं में छपी ,
८. 'प्रदिग्गती विषयक साहित्यिक कृतियों और उनका अध्ययन' (शोधप्रबंध)
९. —
१०. विशाल री घाटी. ऊटा रो कारखानो, भटियाणी चौहटो, उदयपुर (राज०)
११. राजकीय कालिका माध्यमिक विद्यालय, देवगढ़ मदारिया (उदयपुर-राज०)

[१७६]

१. श्री गोपाल जैन
२. एम. ए. (दर्शन), साहित्य रत्न
३. प्रसोज वही १३, सं० १९८६ वि० (१९२९ ई०)
४. सदमणगढ़ (सीकर—राज०)
५. समाज सेवा
६. —
७. जागती ज्योत, अंतराल आदि पत्रों में
८. 'अणुदेखा सपना' (कविताओं)
९. 'अंतराल' और 'क्रांति और धीरे निर्माण' नाम के पत्रों के संपादन, उच्च अध्ययन अनुसंधान, जयपुर यू० जुड़ेंडा
१०. सदमणगढ़ (सीकर)
११. ऊपर भुजब

[१७७]

१. सतोप पारीक
२. बी. ए.
३. १५-८-१९४८ ई०
४. बीकानेर
५. अध्यापन
६. —
७. कुरजा, घोळमो, राजस्थानी नीर, जागतीजोत, सतकार, वर्तमान, घाद पत्रांमे छपी ।
८. 'गिलगिली' (हास्य रेखाचित्र)
९. —
१०. १, रामलाल जाट क्वार्टर, स्टेडियम रोड, बीकानेर (राज०)
११. राजकीय प्राथमिक मिद्यालय, नवलसागर कुआ, बीकानेर

[१७८]

१. सत्तार मोहम्मद कासम खां 'सुमन'
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. १२-१-१९५२ ई०
४. डालोप (देगूरी-पानी-राज०)
५. धहमदाबाद म्यूनिमिपल ट्रान्स्पॉर्ट सेवा मे
६. —
७. साप्ताहिक हिन्दुस्तान, गुणाबिन्दु, विवेक विकास घाद पत्रिकावां मे हिन्दी-राजस्थानी रचनावां छपी ।
८. पुटक रचनावां
९. प्रतिधोगितावां मे पुरस्कृत
१०. डि. नापुजी, ननी मास्टर का डेता, नाथोरी बाट, शाहपुर, धहमदाबाद-३८०००१
११. जगर मुखर

[१७६]

१. ससीम शेख
२. बी. ए.
३. २१-१३-१९५८ ई०
४. गांध मेवड़ा (नागौर-राज०)
५. फोटोग्राफी
६. —
७. राजस्थानी री फुटकर रचनावाँ हिन्दी पत्रा मे छपी ।
८. कविता सप्त
९. —
१०. ५६/५ सोमाजी की चाली, चमनपुरा, बहमदाबाद—६
११. ऊपर मुजब

[१८०]

१. सत्यनारायण इन्दोरिया
२. एम. ए. (इतिहास); बी. एड.. शास्त्री; प्राधुवेंदरसन
३. १३-३-१९४२ ई०
४. रतनगढ (बुरु-राज०)
५. अभ्यापन
६. —
७. कविता लेख बाद पत्रा मे छप्या
८. गुलाबीगीत (कवितावाँ); बोल रा मोल (कहाण्यो)
९. —
१०. इन्दोरिया भवन, रतनगढ-३३१०२२ (बुरु-राज०)
११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, मुन्नीड़ी (बाया रतनगढ-बुरु)

[१८१]

१. सवाईसिंघ शेखावत
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. संवत् २००३ (१९४६ ई०)
४. गाव ललाणो (जयपुर)
५. अध्यापन
६. —
७. 'संतस रा भाखर' नांव री पोथी, आगतो जोत घर हूजी पत्रिका में कवि-
तावां छपी ।
८. 'भाखर-भाखर-भाखर-दरद'
९. हिन्दी मे बेसी लिह्यो
१०. गांव पो० ललाणो (जामटा-जयपुर)
११. उच्च माध्यमिक विद्यालय, उदयपुरवाडी (भू'भूमू')

[१८२]

१. सांवरमल दायमा
२. एम. ए. (अंग्रेजी)
३. २५-५-१९३७ ई०
४. गमगढ़ शेखावटी (सीकर-राज०)
५. व्याख्यात, तोदी कानेज, नटमणगढ़ (सीकर-राज०)
६. —
७. कई पत्रां में कवितावां (कागज, गिन्दह, सांचोसावण, काले रो चलिदान,
पमाण घाद)
८. —
९. —
१०. तोदी कानेज, नटमणगढ़ (सीकर-राज०)
११. ऊपर मुजब

[१८३]

१. सावित्री व्यास
२. दसवी, संगीतभूषण (गायन)
३. ३-२-१६३६ ई०
४. भालावाड (राजस्थान)
५. पद
६. —
७. आकाशवाणी सू. रचनाओं रों प्रसारण, कई पत्र-पत्रिकाओं में भी छपी ।
८. —
९. —
१०. गोवर्द्धन सदन, रामपुरा, कोटा (राज०)
११. ऊपर मुजब

[१८४]

१. सीताराम सोनी
२. बी. ए.
३. १०-८-१६५५ ई०
४. कोलिदा (नागौर)
५. अध्यापन
६. —
७. जागती ओत में कविता भर राष्ट्रदूत आद पत्रों में हिन्दी रचनाओं
८. —
९. —
१०. पो० कोलिदा (नागौर) ३४१३०५
११. ऊपर मुजब

[१८५]

१. सुरेश पारीक 'ससिकर'
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. ६-१२-१९४६ ई०
४. बड़नी (विजयनगर—अजमेर)
५. घट्याणन
६. हिन्दी में 'एक भारत एक हृदय' पर 'कुछ मोती कुछ सीम' नांव की पोथी छपी
७. जागती जोत, म्हारोदेस आद पत्रां पर शिक्षा विभाग की 'लक्षण' पोथी में रचनावां छपी
८. फुटकर रचनावां
९. —
१०. कवि कुटीर, केकड़ी रोड (विजयनगर—अजमेर)
११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, हुरडा (भीलवाड़ा—राज०)

[१८६]

१. श्रीमती डा० सुशीला गुप्ता
२. एत. ए. (हिन्दी), पी. एच. डी., प्रभाकर
३. —
४. मुजफ्फरनगर (उ. प्र.)
५. शोध सहायक, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
६. —
७. कुरजो, वैचारिकी, जागती-जोत, महामारती, रंदायन, सुधा बिन्दु आद छापां में शोधलेख, कहानी, निबंध आद छप्यां ।
८. 'राजस्थानी लोक महामारत का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन'
९. लोक गीतां री सांस्कृतिक अध्ययन में रुचि
१०. भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान रतन बिहारी पार्क, बीकानेर
११. ऊपर मुद्रक

[१८७]

१. हणवंतसिंह देवड़ा
२. हाई स्कूल, साहित्य रत्न
३. २६-८-१९२८ ई०
४. गांव पो० राणीवाड़ा खुर्द (भीनमाल—जालोर—राज०)
५. प्रोद्गुसर, भाकाशवाणी, जोधपुर
६. दिगल साहित्य में नारी गुप्ता बुकएजेंसी दिल्ली १९५५
 दिगल में सिणमार " १९५६
 दिवंगत बापू देसवाड़ा सा. प्रकाशन, उदयपुर १९५०
 प्राचीन राजस्थानी गीत (भाग ३.५) राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर १९५६
 स्वतंत्र भारत का फाग गीत मोहन प्रकाशन, उदयपुर १९५४
 विस्तरघोड़ा गीत राजा कल्याणसिंहजी, भिणाय —
 सूरा देवा देस का राजस्थानी प्रकाशन, जयपुर १९६४
७. मरुवाणी आदि अनेक पत्रों में छपी रचनाएँ छपी
८. सुरसत शतक; भां सूँ मिलियो; ठावी ठौड़; जुग का जूँभार
९. कुरान की एक हजार आयतों की अनुवाद । भाकाशवाणी 'पर बरसां सूँ'
 राजस्थानी भाषा और साहित्य का कार्यक्रम करावै
१०. १३१/२१ देवड़ा मेनशन, दुर्गावास नगर, पावटा सी रोड, जोधपुर
११. प्रोद्गुसर, भाकाशवाणी, जोधपुर

[१८८]

१. हनुमानप्रसाद वोहरा 'मान'
२. बी. ए, बी एड.
३. १४-८-१९४८ ई०
४. टोंक (राजस्थान)
५. अध्यापन
६. —
७. शिक्षा विभाग का 'संकल्पना' और 'सरिता', 'कादम्बिनी', योजना, स्थिति,
 राष्ट्रदूत आदि पत्रों में छपी
८. दो उपन्यास, कविता संग्रह और सुधाकर शब्द सागर-नाम की पोथी
९. 'मानजी' नाम सूँ लोक गजल और लोकगीत लिखे ।
१०. पालूकी का मोहल्ला, पुराणी टोंक (राज०)
११. ऊपर मुजब

[१८६]

१. हनुमान प्रसाद भोजक
२. प्रेज्युएट
३. २२-११-१९२६ ई०
४. सरदारनहर (चुरू—राज०)
५. फोटोग्राफर घर चित्रकारी
६. —
७. संगीत घर नाट्य संबंधी रचनाओं छपी
८. चूंद खुलगी; चुनाव रो चक्कर; लाहेसर रो सगाई; निक्का जोगी टिगर, छापो पड़्यो; तीन तिलाक; सेठ सुधारचन्द; मतलब रो मनधार; पटिया मार्ग भील; सेठ सासरें गया; पहेसरी, पदहपंच; रामारोळ घाट हास्य एकांकी भर नाटक
९. संगीत भारती, बीकानेर यू' नाट्यथी रो सम्मान मिथो ।
१०. कला कुंज, सरदारनहर (चुरू—राज०)
११. कपर मुजब

[१९०]

१. हनुमान सहाय गुप्ता 'गढ़चढ़'
२. बी. ए., बी. एड.
३. १२-१०-१९२८ ई०
४. गाँव-गुराणा, पो० मोरा साहसानी (जयपुर)
५. व्याख्यान
६. —
७. 'मंगल मिलन' घाट पत्रों में छपी
८. पुटकर रचनाओं
९. —
१०. गाँव गुराणा, पो० मोरा साहसानी (जयपुर—राज०)
११. राजकीय उ. प्रा. विद्यालय, दूधी ग्रामसोदा (जयपुर)

१. हिमांशु पी० दलाल 'जौली'
२. द्वितीय वर्ष पोलीटेनिक
३. ४-४-६३ जन्म तिथि
४. छास्या का संघर्ष गाडोदिया प्रकाशन, बीकानेर
५. २ फरवरी १९८०
६. स्वतन्त्रता संग्राम मे युवकों का योगदान
७. १०/- मोल
८. एक पुस्तक 'गुरु दक्षिणा' 'पराग प्रकाशन, नई दिल्ली से छप रही है।' लगभग छप चुकी है।
९. नगिन निवास, रंगपुर रोड, कोटा—२-३२४००२
१०. हिमांशु पी० दलाल 'जौली' S/o श्री पुष्पकान्त एस० दलाल
११. सचिव-मा० शि० बोर्ड. सेन्ट्रल बोर्ड ऑफिस भवन, टोडरमल मार्ग घजमेर—३०५००१

परिशिष्ट

इस सूची में वां साहित्यकारों का नांव दिया है ज्यों की जाणकारी
कोई कारण सूं इस कोस में भेजी नों हो पाई ।

संवन्धी

—संपादक

१. प्रसायचन्द्र शर्मा, कलकत्ता
२. धर्मरसिंह, राजगढ़
३. धनुंनदेव चारण, मयानिया (जोधपुर)
४. धरविन्द घोभा, बीकानेर
५. धारमाराम, बयई
६. धाशा शर्मा
७. ईश्वरानन्द शर्मा, बीकानेर
८. उम्मेदसिंह, मैहता
९. उपा शर्मा
१०. श्रीम धरोडा
११. श्रीम केवलिया, बीकानेर
१२. श्रीम धानवी
१३. श्रीमदत्त शास्त्री
१४. कल्पना शर्मा
१५. काशी प्रसाद कुंतल
१६. घ. कृष्ण कालिप्त
१७. ब. कृष्ण शंकर पारीक, बीकानेर
१८. डा० कृष्ण मोहनोत, जोधपुर
१९. सीमरात्र प्रदीप
२०. सीमरात्र शारठ
२१. खेताराम
२२. गणवतलाल
२३. गोकस 'बन्धुन'
२४. गोपाल राजस्थानी
२५. गोपीराम

५९. ब्रजलाल स्वामी
६०. नंबर जानेवा
६१. नंबर मादाणी, बीकानेर
६२. नंबर हाडा
६३. नंबरलाल जोशी, धजमेर
६४. मगराज चौधरी
६५. भवानीशंकर व्यास, बीकानेर
६६. भागीरथसिंह 'भाग्य'
६७. भानुप्रभा शर्मा, उदयपुर
६८. भैरवदेव शशिष्ठ
६९. मधुसूदन शर्मा, भीनवाडा
७०. मनमोहन लखन मापुर, नावल (हरियाणा)
७१. महावीर प्रसाद हलवाई, महमदाबाद (गुजरात)
७२. महावीर मोद, बंबई
७३. मिरचूमल माहाणी, जोधपुर
७४. मुरली रांकावत, रतनगढ़
७५. डा० मुरारि शर्मा, बीकानेर
७६. मेघराज 'मृकुल', जयपुर
७७. मेघराज शर्मा
७८. मोहनलाल कवि, जयपुर
७९. मोहन पुरोहित 'स्वामी'
८०. मोहन सोनी
८१. योगेन्द्र दवे
८२. रतन राहुगीर
८३. राकेश राजस्थानी
८४. अ. राजकुमारी शरीक, बीकानेर
८५. ब. राजेन्द्रप्रसाद मापुर, बीकानेर
८६. रघुकृष्ण गोयल
८७. राधाकृष्ण शर्मा, जोधपुर
८८. राधेश्याम, नेत्र
८९. रामकृष्ण शर्मा, कोटा
९०. रामपारी 'व्यथित', पितागुड़ी
९१. रामप्रसाद शर्मा, बीकानेर
९२. रामेश्वर व्यास

६२. रामेश्वरसिंह राजपुरोहित
६३. लक्ष्मीनारायण जोशी, आशाहोली
६४. लक्ष्मी नारायण रंगा, बीकानेर
६५. लालदास राकेश, जालोर
६६. विक्रमसिंह मोलंकी, कोटा
६७. विद्यासागर शर्मा, गगानगर
६८. वल्लभेश दिवाकर, बीकानेर
६९. विश्वनाथ शर्मा, खेतडीनगर
१००. विश्वेश्वर शर्मा, उदयपुर
१०१. विष्णुदत्त, सांचोर
१०२. शंभू मेहड़
१०३. शारदा भटनागर, बीकानेर
१०४. शिव देहाती, बीकानेर
१०५. शिवशंकर नारायण जोशी, बीकानेर
१०६. डा० शिवस्वरूप शर्मा 'अचल'
१०७. शिवेन्द्र सुमन, जयपुर
१०८. श्री वल्लभ
१०९. श्याम कृष्ण
११०. श्याम मेवाडी
१११. श्यामलाल कलावटिया, राजगढ़ (सीकर)
११२. संतोष पंडित, बीकानेर
११३. सज्जनसिंह शेखावत
११४. सनत्कुमार स्वामी, बीकानेर
११५. सरल 'विसारद', बीकानेर
११६. सरोज शर्मा, वनस्थली विद्यापीठ
११७. सावलदान आशिया, उदयपुर
११८. सीताराम पारीक, जयपुर
११९. सुधा शर्मा, बीकानेर
१२०. सोहन जोशी
१२१. सोहन डागा
१२२. डा० स्वर्णलता मयवाळ, बीकानेर
१२३. हंसराज अनुरागी
१२४. रमन चौहान, बबई
१२५. हरिवल्लभ हरि, कोटा
१२६. हरीन्दु चौधरी, बीकानेर
१२७. हरीश भादानी, बीकानेर

